दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-58
मुरादाबाद
18 June 2024
(Tuesday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

न्यू जलपाईगुड़ी के पास कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त; राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने जताया दुख

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह दार्जिलिंग जिले के फनसीदेवा इलाके में रेल दुर्घटना के बारे में सुनकर स्तब्ध है। इस घटना को लेकर अन्य जानकारी का इंतजार है। कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। बिहार-बंगाल की सीमा के पास एक भीषण ट्रेन हादसा हुआ। रांगापानी रेलवे स्टेशन पर

सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद कंचनजंगा एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा घायल हुए हैं। यह दुर्घटना न्यू जलपाईगुड़ी के पास हुआ। रेलवे की टीम जांच में जुट गई है। हादसे के बाद से ही रेल परिचालन ठप हो गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत अन्य नेताओं ने इस हादसे को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस घटना पर दुख जताया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हादसे का जायजा लेने दार्जिलिंग के लिए रवाना हो चुके हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रेल दुर्घटना में लोगों की मृत्यु की खबर अत्यंत व्यथित करने वाली है। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवार के साथ है। मैं घायलों के जल्द ठीक होने और बचाव कार्य की सफलता के लिए प्रार्थना करती हूं। पीएम मोदी ने इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों की सहायता के लिए बचाव अभियान जारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी दुर्घटना स्थल पर जा रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने इस रेल दुर्घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में हुआ रेल हादसा बहुत दुःखद है।इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। अश्विनी वैष्णव ने इस रेल दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, एनएफआर जोन में दुर्भाग्यपूर्ण हादसा। बचाव कार्य जारी है। रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ एकसाथ मिलकर काम कर रहे हैं। घायलों को अस्पताल में पहुंचाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, दार्जिलिंग जिले के फनसीदेवा इलाके में रेल दुर्घटना के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। इस घटना को लेकर अन्य जानकारी का इंतजार है। कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। बचाव के लिए डीएम, एसपी, डॉक्टर, एंबुलेंस और आपदा टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया है। कार्रवाई शुरू हो गई है।अन्य नेताओं ने भी जताया दुख- बिहार के राजद नेता भाई वीरेंद्र ने इस घटना के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, जिस देश में रेलवे का निजीकरण कर दिया गया, वहां दुर्घटनाएं तो होंगी ही। इससे पहले कांग्रेस और यूपीए सरकार के समय जब दुर्घटनाएं होती थी, तब मंत्री खुद इस्तीफा दे देते थे। अब ऐसी घटनाओं के बाद मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं। हमें इस सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। यह सरकार एक गैंग है, जो इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। त्रिपुरा के मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा, आज सुबह 8.50 बजे सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कुछ लोगों को गंभीर चोट आई है। भारत सरकार, पीएम रेलवे मंत्री और हमारे सीएम भी हालात का

जायजा ले रहे हैं।

सरकार ने बढ़ाया मुआवजा; घटना में मृतकों के परिजन को 10 लाख, गंभीर घायलों को 2.5 लाख की मदद

पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। रंगापानी और निजबाड़ी के पास हुए हादसे में तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुईं। इस हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 लोग घायल बताए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में हुए रेल हादसे पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि- हादसे के पीड़ितों को दी जाने वाले अनुग्रह राशि में बढ़ोत्तरी की गई है। इसमें मरने वाले के परिजनों को 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 2.5-2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल होने वालों को 50-50 हजार सहायता राशि दी जाएगी।रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ जया वर्मा सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि बचाव अभियान पूरा हो गया है। इस हादसे में सिग्नल की अनदेखी करने वाले मालगाड़ी के चालक और सहायक चालक के साथ कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के गार्ड की भी मौत हुई है। कंचनजंगा एक्सप्रेस का अप्रभावित हिस्सा मालदा टाउन की ओर रवाना हो गया है। यात्रियों को भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया है और रेलवे ट्रैक की सफाई का काम जारी है।पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के पास हुए रेल हादसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया है, ताजा जानकारी के मुताबिक हादसे में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि लगभग 30 लोग इस रेल हादसे में घायल हैं। बता दें कि कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से एक मालगाड़ी के टक्कर मारने के बाद ये हादसा हुआ है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

आठवले बोले- हमारी सरकार अगले पांच साल के लिए फिर आएगी, इंडिया ब्लॉक ने संविधान बदलने की अफवाह फैलाई

मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि हमारी सरकार अगले पांच वर्षों के लिए फिर से आएगी। आठवले ने रविवार को कहा, हमें इस बार लोकसभा चुनाव में कम सीटें आईं क्योंकि इंडिया गठबंधन ने अफवाह फैलाई कि संविधान बदल दिया जाएगा।आठवले ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को यह दोहराने के बजाय कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास देश पर शासन करने का जनादेश नहीं है, उन्हें विपक्ष की रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। आठवले ने कहा, एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत है।

हमने 292 लोकसभा सीटें जीती हैं। आठवले ने कहा कि जब यूपीए सत्ता में थी तो भाजपा ने यह नहीं कहा कि कांग्रेस के पास शासन करने का जनादेश नहीं है।आठवले ने कहा कि उद्धव ठाकरे कह रहे हैं कि चुनाव संविधान को बचाने के लिए हैं, लेकिन हमारा चुनाव यूबीटी शिवसेना, शरद पवार की राकांपा और राहुल गांधी की कांग्रेस को हटाने के लिए होगा। महाराष्ट्र में अब कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होंगे। हमारे साथ 240 से अधिक विधायक हैं। हम अगले 5 वर्षों के लिए फिर से आएंगे।

तनाव के बीच पहले शपथ ग्रहण में न्योता अब ईद की बधाई; क्या भारत और मालदीव के रिश्ते सुधरने की राह पर?

भारतीय उच्चायोग ने बताया कि ईद-उल-अजहा के मौके पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और यहां के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।भारत और मालदीव में इस साल की शुरुआत से विवाद बना हुआ है। भारत और मालदीव के रिश्ते में खटास आ गई है। पाकिस्तान की तरह ही मालदीव अब चीन की गुलामी पर उतर आया है। मगर भारत का सबसे अच्छा पड़ोसी चीन का गुलाम बन जाए यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तनिक भी रास नहीं आ रही। यही वजह है कि मोदी 3.0 में मालदीव और भारत के बेपटरी हुए रिश्ते को पटरी पर लाने की कवायद तेज हो गई है। इसलिए उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करने के बाद अब सब

गिले शिकवे दरकिनार कर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को ईद-उल-अजहा के मौके पर बधाई दी है।दोनों देशों के संबंधों में खटास- बता दें, पिछले साल नवंबर में चीन के समर्थक रहे मुइज्जू के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई है। बकरीद की शुभकामनाएं- मालदीव के भारतीय उच्चायोग ने राष्ट्रपति और मालदीव के लोगों के लिए प्रधानमंत्री मोदी की बकरीद की शुभकामनाएं साझा कीं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय उच्चायोग ने लिखा, ईद-उल-अजहा के मौके पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और यहां के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने इस त्योहार में निहित त्याग, करुणा और भाईचारे के मूल्यों पर जोर दिया, जो एक शांतिपूर्ण और समावेशी दुनिया के निर्माण में आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि भारत की बहु-सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के रूप में पूरे भारत में उत्सव को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा। इसलिए बना हुआ है तनाव- दरअसल पिछले साल मालदीव ने मुइज्जू की सरकार बनी। मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है। सरकार में आते ही मुइज्जू ने भारत विरोधी कई कदम उठाए,जिसकी वजह से रिश्ते खराब हो गए। मालदीव से भारतीय सेना की वापसी और पीएम मोदी के लक्ष्यदीप दौरे पर टिप्पणी ये कुछ उदाहरण हैं। मालदीव इससे पहले भारत का अच्छा पड़ोसी रहा है।

धूमधाम से मनाया जा रहा ईद उल अजहा, नमाज पढ़कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी, एक-दूसरे को बधाई दी

ईद उल अजहा का त्योहार प्रदेश भर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। आज सुबह से ही लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में मुस्लिम समाज के हजारों लोगों ने एक साथ नमाज पढ़ी और देश मे अमन चैन की दुआ मांगी। वहीं, प्रदेश भर में सुरक्षा को लेकर भी कड़े इंतजाम किए गए है और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। लखनऊ में टीले वाली मस्जिद पर सबसे पहले सुन्नी समुदाय के लोगों ने नमाज पढ़ी। गले मिलकर दी बधाई- ईद की नमाज पढ़ने के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी। छोटे छोटे बच्चों ने भी नमाज पढ़ने के बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी। योगी ने ईद-उल-अजहा की बधाई दी- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-अजहा की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि ईद-उल-अजहा का त्योहार सभी को मिलजुल कर रहने तथा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा प्रदान करता है।लखनऊ के तहसीनगंज स्थित शिया जामा मस्जिद में ईद उल अजहा की नमाज़ अदा अध्यक्ष मौलाना सैफ़ अब्बास

संपादकीय Editorial

Mismanaged arrangements, missing duty

This case has many stages and many dimensions, but the mystery is now making holes in the vigil of law and order. When an altercation between a local tractor driver and his relatives and people travelling in a vehicle from another state on the road of Sirmaur turned into a scuffle, the reeds of chaos came out on the road. The gap between the evidence of the fight and the responsibility of the police investigation increased so much that the behaviour of the head constable became abnormal and like a video on social media. The installments of the conduct of the head constable who was entrusted with the responsibility of investigation are missing and the government is missing. Actually, the investigation did not see the victims whose wounds were screaming, but now the crowd has started questioning those who were groaning behind the scenes. The structure of the police department is also questionable in the hide and seek case issued by Head Constable Jasvir Saini. If this practice starts in many procedures of investigation, then by what logic will the case of the 'plaintiff' remain fair. This also shows how careless and unclaimed the system is towards the criminal incidents happening in the state. If the truth of the viral video was not asked, then why did the police personnel engaged in the investigation disappear from the scene, this question is now being asked by the department's questionnaire. Now the investigation is going on not in two factions, but in the factions of the police department. In such a situation, should the people riding the tractor get justice or the missing police constable be searched first. The surprising thing is that nothing is easy and simple in Himachal now and recommendations have to be arranged even for testing and inspection. This is not only the scenario in law and order, but the state is running with closed eyes by keeping the rules at bay in departmental criteria as well. It is a different matter that somewhere a few officers, administrative officers, doctors, engineers or teachers do wonders, otherwise even the basic needs are absent. Dharamshala Zonal Hospital coming into discussions for the fourth consecutive year under the state's rejuvenation evaluation shows that some prophet of government work culture is doing high level work. When Dr. Rajesh Guleri nurtured the hospital on the basis of his responsibility, the government structure also left the private behind, otherwise the cleanliness of the nearby Tanda Medical College makes this department feel ashamed. The condition of the education department is such that holidays are before the season and schools are running during the rainy season. Our water supply projects collapse in summer, but the top officials do not know where the water will come from and where it will go. The electricity department also has this habit more or less and the arrangements go haywire in the peak of summer. The arrangements of every department are in shambles, yet there are boasts that the big man is doing wonders in every post. It is surprising that in the tourist season when Himachal wants to smile, it is unable to provide electricity for light, water for taps, suitable roads for transport, parking for tourist vehicles and law and order to get rid of traffic jams. We do not know who is guilty of the Sirmaur incident and who really wants support from the law, but the actions of the police have trapped themselves first with the video scandal and now with the disappearance of the head constable. In such a situation, how long can we consider the working of this department to be extraordinary and be happy that we did not have to deal with it. The irony is that whichever aspect of the Himachali system we have to deal with, the trouble, disappointment and difficulty.

A fascinating story of a duck, from fun at the beach to Quackchat

Which cartoon-watching child would not be familiar with the cartoon character Donald Duck? When television came, the cartoon character that was most awaited every Sunday along with Mickey Mouse was Donald Duck. But do you know that your beloved Donald Duck has turned 90 years old? But he has not aged. You will also be surprised to know that Donald Duck first appeared as a supporting character in a cartoon film The Wise Little Hen. But people liked this character so much that he soon came into the lead role. Within a few years of his appearance on the silver screen in the year 1934, Donald Duck was considered a star equal to the great actresses of the time, Shirley Temple or Greta Garbo. His popularity is clearly evident in Disney's 1939 animated short The Autograph Hound, in which an A-list Hollywood actor of the time left a film shoot at his studio to get Donald's autograph. Donald Duck's creator Walt Disney himself had started calling Donald Duck his 'Gable of the stable' by 1940. In fact, Donald Duck's popularity was linked to Hollywood superstar Clark Gable, who was the biggest name at MGM studios at the time. Donald Duck had become a worldwide icon by the 1940s. Donald Duck was featured in everything from children's books in Europe and America to the US government's domestic propaganda during World War II. Donald was shown starring in cartoons designed to encourage Americans to support the war. These short animated films ranged from encouraging people to invest in US government bonds to mocking Hitler as a crazy dictator. The latter short animated film Der Fuhrer's Face earned Donald his first Oscar in 1943, although it has since been criticized for its satirical portrayal of Japanese people. Donald Duck is as popular today as he was in the mid-twentieth century. Media researcher Chris Rojek has also cited Donald Duck as an example in the classification of celebrities. Duck represents the ideal celebrity, a fictional character and 'an institutionalized feature of popular culture.' Unlike other Disney characters, Donald's stories take place in the present and are contemporary to viewers and readers. This is clearly reflected in his relationship with female characters. In Donald's early days, female characters were often limited to depicting beauty, domesticity, and subservience to patriarchy, reflecting the experiences of women around the world. For example, Daisy Duck was originally never shown working a job or having a career, in contrast to Donald Duck who has been shown to have a variety of jobs, including private detective, postal worker, and salesman. In recent years, however, female characters have evolved to reflect the modern world. This includes the first appearances of characters such as Donald's sister Della Duck. Della is a skilled pilot who can often be seen in the middle of action scenes and is an integral part of the plot of the comic book series DuckTales (2018) as well as the television show of the same name. In these stories, Della Duck, Daisy Duck, and other female characters have agency and are the main protagonists and not just there to support the male characters. There is no doubt that Donald Duck is a more relatable character than the aliens from a distant galaxy or the princes or princesses of stories such as Once Upon a Time. This is because Donald and his friends face the same everyday challenges that we do and enjoy the same joys that we do. They face traffic jams, job dissatisfaction, and they enjoy vacations at the beach, gatherings with family at festivals, and so on, just like we do. So it is not difficult for the audience to sympathize with Donald, identify with him, and understand his feelings in the situations he finds himself in. Viewers tend to relate his joys and sorrows to events in their own lives. This connection between Donald's experiences and those of the audience has been a major reason for his success and popularity over the past 90 years. The frustrations that are relevant to the character of Donald Duck have been important themes in his stories. In the animated shorts in which Donald starred in the 1930s, 1940s, and 1950s, Donald enjoyed the technological advances of radio and television. And his most recent animated appearance in Ducktales features Donald using the social media platform QuackChat, which is of course a rip-off of Snapchat. Donald Duck has always been popular around the world because he is so common man-like that everyone can relate to him with their own personal joys and sorrows. People around the world still relate to him and laugh at his temper tantrums over life's hardships. He gives us the ability to vent our frustrations just like Homer Simpson from 'The Simpsons' or the Clown Poison from 'Family Guy'. provides a way to compare Donald Duck to adult cartoon stars like Peter Griffin. As long as Donald Duck keeps up with society, and continues to reflect the changing world we live in, there's no chance of the duck disappearing from our minds. As long as Donald Duck keeps up with society, and continues to reflect the changing world we live in, there's no chance of the duck disappearing from our minds.

Enough coffee: It sharpens the alertness of working professionals, but its addiction is not always beneficial

Too much coffee drives away sleep, you sleep less. Sleeping less makes you lethargic. To overcome lethargy, you drink coffee again and thus get caught in the vicious cycle of coffee. Drinking coffee drives away sleep. It increases the energy level in the body. It removes fatigue and also increases concentration. When it comes to your beloved coffee, one counts all its benefits in one breath. A super study was done in America on human nutrition, in which many benefits of coffee were also counted. According to this study, drinking coffee reduces the risk of cancer by two to twenty percent. The risk of heart disease reduces by five percent. The risk of type-2 diabetes and Parkinson's disease also reduces by about thirty percent. In this report, it was even believed that drinking coffee also makes a person live longer. You must be feeling good after hearing all this, but if you have started believing that coffee is nectar, then be a little careful. Coffee has some benefits, but its excessive consumption can also cause harm. Busy working professionals take the help of coffee to sharpen their alertness. But this addiction of coffee is not always beneficial. Actually, when we work all day, our body produces more and more adenosine chemical. The more this chemical increases in the body, the more sleepy we feel. Then when we sleep, our body reduces the level of adenosine by using energy, due to which we wake up refreshed every morning. According to a research published in the Journal of Neuroscience, when we drink caffeine, it prevents adenosine from doing its work, that is, it drives away sleep. You are unable to sleep at night, due to which lethargy persists throughout the day. When you are lethargic, you again like to drink coffee. In this way, when you start drinking coffee in large quantities, it becomes a cycle of trouble. Keep in mind that the lethargy that comes due to lack of sleep cannot be removed even by all the caffeine in the world. So, it is like an endless battle between coffee and sleep. The energy from coffee can provide some relief, but caffeine can never replace the benefits of natural sources. If you eat a good breakfast, sleep well, exercise and enjoy natural sunlight for about ten minutes in the morning, then you will not need to drink so much coffee.

Question: How much will the Prime Minister be able to change himself, will there be a change in the style of governance as well!

Now in his third term, Modi has come in the category of those Prime Ministers who have run the government without an absolute majority. In the last few years, he has seen himself as the 'Supreme Boss', but I feel that soon he will bring a change in his style of governance. About a year ago, i.e. on July 1, 2023, in an article published on this page, I had written that I hope for a change in Indian democracy. I used to think that "no single party will get a majority in the Lok Sabha. Our current Prime Minister is naturally authoritarian. The majority his party got twice in the general elections has strengthened this aspect of his personality." However, in July 2023 or a few months after that, I was doubtful whether this hope would come true or not. In an article published in 'Foreign Affairs' in February 2024, the Prime Minister's policies were criticized. I had commented that the 'India' alliance will have to struggle a lot to remove Modi and BJP from power. Yes, it can be expected that the 'India' alliance can definitely make a dent in the BJP's majority in Parliament. Some time later, Anil Maheshwari, a journalist who knows North India very well, told me that the opposition will not only make a dent in the BJP's majority in Parliament but will also end it. On February 25, 2024, Anil Maheshwari wrote to me, "I am afraid that your expectation may be wrong. The leftists and liberals have not understood the ground reality and the BJP may get around 230 seats." A week later, Maheshwari again wrote, "Modi is indecisive with dictatorial qualities in his political nature. This strengthens my statement that the BJP's strength may be reduced to 230 seats." On March 18, Maheshwari again sent me an e-mail, in which he wrote, "The BJP will get 230 seats, which includes 30 out of 80 seats in Uttar Pradesh. I have many doubts about Rahul Gandhi's abilities, yet he is the only non-BJP leader who has come out on the streets and has been able to draw a good crowd." Anil Maheshwari had predicted this a month before the elections began. In July 2023, I had expressed hope against hope, saying that "a coalition government will come. India is a very big and diverse country. It cannot be run without cooperation and advice. However, a large majority in Parliament leads to arrogance in the ruling party. A Prime Minister with a large majority does not treat his cabinet colleagues well, disrespects the opposition, curbs the press, abolishes the autonomy of institutions and at least ignores the interests and rights of the state, especially those states ruled by another party." Before Narendra Modi became Prime Minister, I have seen the governments of Indira and Rajiv Gandhi, in which there are signs of encouragement of authoritarian tendencies due to the overwhelming majority. On the other hand, I have also seen coalition governments, when the press and judiciary were more independent and there was less attempt to control regulatory bodies.

ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण माहौल में हजारों मुसलमानों ने पढ़ी नमाज मुल्क और कौम की तरक्की के लिए की दुआ , DM-SSP ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच
सिकंदर रजा

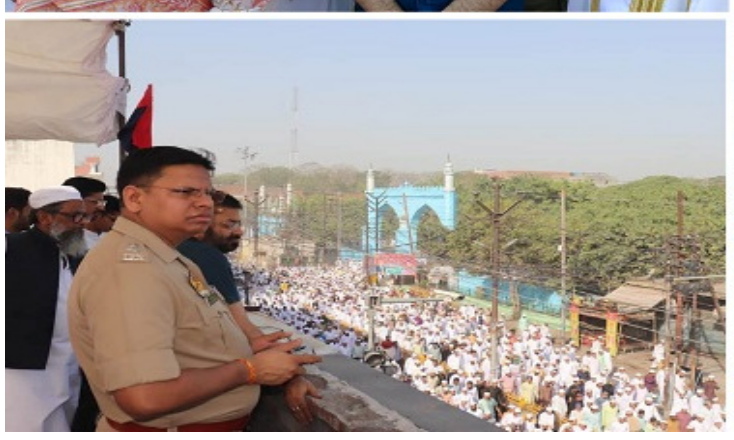

मुरादाबाद- ईद उल अजहा की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न हुई। शहर इमाम सैयद मासूम अली आजाद ने नमाज अदा करवाई। इस दौरान जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह और एसएसपी हेमराज मीणा समेत अन्य अधिकारी ईदगाह पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ईदगाह को सेक्टर में बांटकर मजिस्ट्रेट और सीओ की तैनाती की गई थी। नगर निगम की टीमों को रोड पर मुस्तैद रखा गया। सोमवार सुबह से ईदगाह में नमाजियों का आना शुरू हो गया था। सुबह 7:30 शहर इमाम सैयद मासूम अली आजाद ने ईद उल अजहा की नमाज अदा कराई। नमाज में काफी संख्या में नमाजियों ने हिस्सा लिया ईदगाह परिसर में काफी संख्या में नमाजी पहुंचे। नमाज के बाद डीएम और एसएसपी ने भी गले मिलकर मुबारकबाद दी। इसके अलावा शहर की अन्य मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई। इसके बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। नायब शहर इमाम मुफ्ती सैय्यद फहद अली ने ईद उल अजहा को अमन और भाईचारे संग मनाने की अपील के साथ ही साफ-सफाई का ख्याल रखने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने ईद उल अजहा खुशी और भाईचारे के संग मनाने की बात कही है। कुर्बानी का सिलसिला सोमवार, मंगलवार और बुधवार को भी जारी रहेगा। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण माहौल में हजारों मुसलमानों ने पढ़ी नमाज मुल्क और कौम की तरक्की के लिए की दुआ आपको बता दे मुरादाबाद में कड़े सुरक्षा के घेरे में बकरीद की नमाज अदा की गई इस दौरान डीएम और एसएसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे वही चप्पे चप्पे पर ड्रोन कैमरा से निगरानी की गई ईदगाह में नमाजियों को बकरीद की मुबारकबाद देने के लिए समाजवादी पार्टी की नवनिर्वाचित सांसद रुचि वीरा समेत समाजवादी पार्टी के कई नेता भी मौजूद रहे वही नायब इमाम सैय्यद मोहम्मद फहद ने ईदगाह में सुबह 7:30 बजे ईद की नमाज पढ़वाई। उनके पिता और शहर इमाम सैयद मासूम अली आजाद ने नमाज के बाद दुआ कराई। इस मौके पर ssp हेमराज मीणा, ह्यश्र सिटी अखिलेश भदोरिया , एडीएम सिटी डीएम मानवेंद्र सिंह, पूर्व सांसद डॉक्टर एसटी हसन, हाजी यूनुस बाबरी मस्जिद के मुत्तावल्ली मोहम्मद अय्यूब सैफी आदि कई गणमान्य लोग मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

युवक को पेड़ से बांध लाठियों से पीटने के मामले में सुरजन नगर चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

मुरादाबाद- ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी सुरजन नगर के इंचार्ज रविंद्र सिंह भाटी को एसएसपी ने लाइन हाजिर कर दिया है। यह कार्रवाई पीड़ित के मामले में लापरवाही बरतने पर हुई है। मामला शनिवार को ठाकुरद्वारा तहसील में चल रहे समाधान दिवस में एसएसपी के सामने आने पर थाना-चौकी पुलिस हरकत में आई थी। पुलिस ने उसी दिन मुख्य आरोपी शेरपुर पट्टी निवासी परवेंद्र यादव उर्फ काली डॉन पुत्र जगदीश यादव को दबोच लिया था और दूसरे आरोपी डिलारी थाने के गांव गुलड़िया निवासी सचिन यादव को अगले दिन पकड़ लिया था। लापरवाही के मामले में नाराज एसएसपी हेमराज मीना ने चौकी इंचार्ज के विरुद्ध प्रारंभिक कार्रवाई की है। इधर, पूरे प्रकरण में पुलिस चौकी की भूमिका की जांच सीओ ठाकुरद्वारा राजेश कुमार तिवारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों नामजद अभियुक्तों को जेल भेजा जा चुका है। यह था मामला- उधार वाले रुपये वापस मांगने पर फाइनेंसर को आरोपियों ने बहाने से बुलाकर गमछे से उसके हाथ कसकर पेड़ से बांधा दिया था। फिर अर्द्धनग्न कर उसे लाठियों से पीटा था। आरोप है कि उसके साथ कुकर्म करने की भी कोशिश हुई। यही नहीं, आरोपियों ने इस कृत्य का वीडियो भी बनाया और इंटरनेट पर वायरल कर दिया है। घटना एक जून को दोपहर की थी। लेकिन, आरोपियों की धमकी से भयभीत पीड़ित ने घर में भी नहीं बताया था। 13 दिन बाद जब वायरल वीडियो देखा तो घर वालों के पैरों तले जमीन खिसक गई। फिर पीड़ित को हिम्मत देकर गुरुवार को उसे सुरजनपुर पुलिस चौकी ले गए, जहां चौकी इंचार्ज को घटना बताई। शेरपुर पट्टी गांव निवासी पीड़ित का कहना है कि पुलिस ने 14 जून को ही मुख्य आरोपी परवेंद्र यादव उर्फ काली डॉन उठा भी लिया था लेकिन, शनिवार सुबह उसे छोड़ दिया। जिस पर पीड़ित ठाकुरद्वारा तहसील में चल रहे समाधान दिवस में पहुंचा था। यहां उसने एसएसपी हेमराज मीना को प्रार्थना पत्र देकर आपबीती बताई थी और वायरल वीडियो भी दिखाए थे। एसएसपी के निर्देश पर ठाकुरद्वारा थानाध्यक्ष शैलेंद्र चौहान ने पीड़ित की तहरीर पर ज्ञात दोनों आरोपियों के विरुद्ध नामजद एफआईआर दर्ज की थी।पीड़ित ने बताई थी घटना और कारण- पीड़ित ने बताया कि आरोपी परवेंद्र यादव उर्फ काली डॉन उनके घर के सामने रहता है। इसका दोस्त सचिन यादव है। काली डॉन के जरिए वह सचिन को पहचानता है। पीड़ित ने बताया कि वह फाइनेंश का काम करता है। डेढ़ साल पहले सचिन ने बीमारी का बहना बनाकर उससे 5,000 रुपये उधार लिए थे। इधर, पीड़ित की पत्नी की डिलवरी होने वाली थी। इसलिए उसने सचिन से अपने उधार वाले रुपये वापस मांगे थे। जिस पर सचिन ने पीड़ित को कांठ मार्ग पर पुलिया पर बुलाया था। वहां काली डॉन, सचिन यादव और दो अन्य लोग मौजूद थे। इन लोगों ने जैसे ही उसे देखा कि तुरंत दौड़कर पकड़ लिया। गमछे से उसके हाथ कसकर पेड़ में बांध दिया और उसके अंडरगारमेंट्स भी उतार दिए और फिर उसे लाठियों से पीटा। पीड़ित का आरोप है कि इन चारों ने उसके साथ कुर्कम भी करने की कोशिश की। इस पूरी घटना का उन लोगों ने वीडियो भी बना लिया था, जिसे वायरल कर दिया है। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी ने शुक्रवार को बेटे को जन्म दिया है। पीड़ित चार भाइयों में तीसरे नंबर का है।

किराए के विवाद में रोकी रोडवेज बस, परिचालक व यात्रियों से की अभद्रता...आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद- ईद उल अजहा की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न हुई। शहर इमाम सैयद मासूम अली आजाद ने नमाज अदा करवाई। इस दौरान जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह और एसएसपी हेमराज मीणा समेत अन्य अधिकारी ईदगाह पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ईदगाह को सेक्टर में बांटकर

मजिस्ट्रेट और सीओ की तैनाती की गई थी। नगर निगम की टीमों को रोड पर मुस्तैद रखा गया। सोमवार सुबह से ईदगाह में नमाजियों का आना शुरू हो गया था। सुबह 7:30 शहर इमाम सैयद मासूम अली आजाद ने ईद उल अजहा की नमाज अदा कराई। नमाज में काफी संख्या में नमाजियों ने हिस्सा लिया ईदगाह परिसर में काफी संख्या में नमाजी पहुंचे। नमाज के बाद डीएम और एसएसपी ने भी गले मिलकर मुबारकबाद दी। इसके अलावा शहर की अन्य मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई। इसके बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। नायब शहर इमाम मुफ्ती सैय्यद फहद अली ने ईद उल अजहा को अमन और भाईचारे संग मनाने की अपील के साथ ही साफ-सफाई का ख्याल रखने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने ईद उल अजहा खुशी और भाईचारे के संग मनाने की बात कही है। कुर्बानी का सिलसिला सोमवार, मंगलवार और बुधवार को भी जारी रहेगा। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण माहौल में हजारों मुसलमानों ने पढ़ी नमाज मुल्क और कौम की तरक्की के लिए की दुआ आपको बता दे मुरादाबाद में कड़े सुरक्षा के घेरे में बकरीद की नमाज अदा की गई इस दौरान डीएम और एसएसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे वही चप्पे चप्पे पर ड्रोन कैमरा से निगरानी की गई ईदगाह में नमाजियों को बकरीद की मुबारकबाद देने के लिए समाजवादी पार्टी की नवनिर्वाचित सांसद रुचि वीरा समेत समाजवादी पार्टी के कई नेता भी मौजूद रहे वही नायब इमाम सैय्यद मोहम्मद फहद ने ईदगाह में सुबह 7:30 बजे ईद की नमाज पढ़वाई। उनके पिता और शहर इमाम सैयद मासूम अली आजाद ने नमाज के बाद दुआ कराई। इस मौके पर ssp हेमराज मीणा, ह्यश्र सिटी अखिलेश भदोरिया , एडीएम सिटी डीएम मानवेंद्र सिंह, पूर्व सांसद डॉक्टर एसटी हसन, हाजी यूनुस बाबरी मस्जिद के मुत्तावल्ली मोहम्मद अय्यूब सैफी आदि कई गणमान्य लोग मौजूद रहे

भविष्य बताने वाला निकला आकिब, वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मांग रहा था रुपये

मुरादाबाद- कबीर बाबा बनकर मो. आकिब तंत्र-मंत्र से भविष्य बताने का झांसा देने वाले ठग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह मेरठ जिले में थाना-तहसील मवाना कस्बे के मुहल्ला तिहाई मकान नंबर-845 का रहने वाला है। इसका असल नाम मो. आकिब उर्फ कबीर है। इसने पुलिस को बताया है कि वह तंत्र-मंत्र का काम करता है और जो लोग उससे संपर्क आते हैं, उनसे कथित पूजा-अर्चना के नाम पर रुपये लेता है। चुपके से वीडियो कॉल कर उनकी अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता है।पिछले दिनों इसी मो. आकिब ने कोतवाली नगर क्षेत्र की एक युवती को ठगा था। पूजा-अर्चना के दौरान उसने उसका अश्लील वीडियो बना लिया था। फिर वह युवती को ब्लैकमेल करने लगा था। इंटरनेट पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रुपये की मांग कर रहा था। परेशान युवती ने इस मामले में 13 जून को नगर कोतवाली में मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज की और रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया है।सीओ कोतवाली सुनीत दहिया ने बताया कि घटना का तत्काल संज्ञान लेकर अभियुक्त की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के लिए नगर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक उषा मलिक को निर्देश जारी किए गए थे। पुलिस टीम की कार्रवाई की वह हर रोज समीक्षा भी कर रही थीं। रविवार को कोतवाली नगर थाने की पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर पारकर रोड से अभियुक्त मो. आकिब उर्फ कबीर बाबा पुत्र अय्यूब को गिरफ्तार किया है। सीओ कोतवाली ने बताया कि यह अभी करीब 24 वर्ष का है। इसके पास से एक मोबाइल भी

♦ जालसाजी - ऑनलाइन कॉल पर पूजा का ढोंग कर कराता था अश्लील क्रियाएं, बना लेता था क्लिप

बरामद हुआ है। इस मोबाइल में पीड़िता से बातचीत और उसके अश्लील वीडियो भी मिले हैं। इस कार्रवाई में थाने के दरोगा गौरव कुमार, कांस्टेबल शिव शंकर और शोएब खान भी शामिल रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि कथित ज्योतिषी के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लगाया गया था। लोकेशन ट्रैस होने पर उसे पकड़ा गया है।ज्योतिष का झांसा देकर बनाई थी अश्लील वीडियो क्लिप

आरोपी ने युवती को ज्योतिष का झांसा देकर वीडियो कॉल कर उसकी अश्लील वीडियो क्लिप बना ली थी। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर जालसाज रुपये मांग कर रहा था। युवती ने पुलिस को बताया था कि वह किसी ज्योतिषी से बात कर अपने भविष्य के बारे में जानना चाहती थी। 25 दिसंबर 2023 को दोस्त शानू के माध्यम से उसे ज्योतिषी का मोबाइल नंबर मिला था। कॉल कर संपर्क किया तो ज्योतिषी ने अपना नाम कबीर बताया था। बातचीत के दौरान कथित ज्योतिषी ने पूजा करने का आडंबर फैलाया। कहा कि तुमको पूजा में वीडियो कॉल पर बैठना होगा और मैं अपने यहां से पूजा करूंगा। युवती जालसाज के प्रभाव में आ गई थी। फिर वह वीडियो कॉल के माध्यम से पूजा पर बैठ गई। जालसाज ने झांसा देकर उससे कई क्रियाएं कराई थीं। इस दौरान उसने युवती का अश्लील वीडियो भी बना लिया था। इस तरह जाल में फंसी थी युवती- पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की दोस्त शानू की गलती से कॉल लग गई थी। फोन रिसीव करने वाले ने उसी दौरान उससे अपने को ज्योतिषी बताया था। कोई परेशानी होने पर जरूर संपर्क करने का सुझाव दिया था। इसी बीच पीड़िता की नौकरी छूट गई। वह कार शोरूम में काम करती थी।

नौकरी छूटने से वह परेशान थी और उसने अपनी परेशानी दोस्त शानू से साझा की थी। जिस पर शानू ने पीड़िता को वही नंबर देकर ज्योतिषी से बात करने की सलाह दी थी। पीड़िता ने कथित ज्योतिषी मो. आकिब उर्फ कबीर बाबा से परेशानी बताई और वह उसके जाल में फंस गई। मो. आकिब ने पीड़िता से नौकरी फिर से मिल जाने का वादा किया और इसके लिए पूजा-अर्चना में 30,000 रुपये खर्च बताया था। इसमें उसने 15,000 रुपये ऑनलाइन ट्रांजेक्शन से ले भी लिए थे।

मां की डांट से क्षुब्ध युवती ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत नाजुक

मुरादाबाद- मझोला थाना क्षेत्र में सोमवार को नाबालिग युवती ने मां की डांट से नाराज होकर जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर युवती को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, नाबालिग युवती अपने सहेलियों के संग बिना परिवार के बताए मेला देखने चली गई थी। मेले से लौटकर घर वापस आने पर मां के द्वारा नाबालिग युवती को डांटा गया तो गुस्से में आकर नाबालिग युवती ने घर में रखी चूहे मार दवा खा ली। कुछ देर बाद नाबालिग युवती की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहा उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। नाबालिग युवती की मां ने बताया, उनकी तीन बेटियां और एक पुत्र हैं। यह उनकी दूसरे नंबर की पुत्री है। सुबह बिना बताए गागन तिराहे के पास लगे गंगा मेले में अपने सहेलियों के संग चली गई थी। वापस आने पर मेरे द्वारा डांट लगा दी गई थी। गुस्से में आकर घर में रखी दवा खा ली। नाबालिग युवती के पिता बेलदारी की मजदूरी करते है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

BJP विधायक पर संगीन आरोप लगाकर सुर्खियां बनी दलित ब्लॉक प्रमुख, बोली कर लूंगी आत्मदाह

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़। धनीपुर ब्लॉकप्रमुख पूजा दिवाकर ने छर्रा क्षेत्र के भाजपा विधायक रवेंद्रपाल सिंह व पूर्व ब्लॉकप्रमुख तेजवीर सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं और बिलख पड़ी। उन्होंने कहा कि ये दोनों विकास कार्यों में बाधा बन रहे हैं और उनका उत्पीड़न कर रहे हैं। यदि इनका हस्तक्षेप बंद न हुआ तो वह पंद्रह 330 दिन में कलेक्ट्रेट या विकास भवन में आत्मदाह करने को बाध्य होगी। फिलहाल उनके आरोपों से सियासी माहौल गर्मा गया है। वहीं विधायक ने आरोप बेबुनियाद बताये है को स्वर्ण जयंती नगर के रेस्टोरेंट में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि वह अनुसूचित जाति से आती हैं। भाजपा संगठन के सहयोग से कम उम्र और शिक्षित होने के कारण उन्हें ये जिम्मा दिया गया। उनके ब्लॉक प्रमुख बनने के बाद से ही विधायक व पूर्व प्रमुख अपनी मनमानी से ब्लॉक में करते आ रहे हैं।

शुरुआती कुछ दिनों में तो मान सम्मान रखने या माहौल समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें लगा कि अब गड़बड़, हो रहा है तो उसने अधिकारियों से शिकायत करना शुरू की। उस पर कोई कार्रवाई नहीं नहीं हुई। अब कुछ माह पहले निकाले गए दो करोड़ की निविदा को विधायक ने निरस्त करा दिया। अब फिर से निविदा हुई तो उस पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अधिकारी भी सत्ता के दबाव में कार्रवाई कर रहे हैं पूजा दिवाकर ने बताया कि उनकी मर्जी से काम निकालने, उनके चहेते ठेकेदारों को काम न देना इसके पीछे वजह है। एक ठेकेदार ने तो अपशब्द कहते हुये धमकी भी दीं, वहीं विधायक में आरोप बेबुनियाद बताते हुए कहा है कि धनीपुर में कराये जाने वाले विकास कार्यों की निविदा राजस्थान की अखबार में छापवाई गई है जिससे ब्लॉक प्रमुख की मंशा साफ होती है 7

बिजली के करंट से एक व्यक्ति की मौत एक महिला गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ -अकराबाद की दोपहर गांव जुझारपुर में बिजली के करंट की चपेट में आने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं एक अन्य महिला को गंभीर हालत में पुलिस ने उपचार के लिए जेएन मेडिकल भेजा है। गांव जुझारपुर निवासी सुरेश पुत्र रामप्रसाद यादव रविवार की दोपहर अपने घर पर नहा रहे थे।तभी किसी तरह बिजली की लाइन में अचानक 11 हजार का करंट उतर आया। जिसके चलते घर में लगी केबल में आग लग गई। सुरेश ने चीखपुकार मचाते हुए पत्नी भूरी देवी से बच्चों को बाहर लेजाने के लिए कहा और स्वयं अरगनी से अपना पेंट उतारने लगे तभी उसे जोरदार करंट लगा। जिससे 40 बर्षीय सुरेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं पड़ोसी महिला सीमा देवी पत्नी बोबी बोर्ड से मोबाइल निकाल रही। तभी उसे भी जोरदार करंट लगा। वह गंभीर रुप से घायल हो गई। हादसे की जानकारी पाकर कोतवाली के एसएसआई दुलीचंद यादव मौके पर पहुंच गए और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक सुरेश ने अपने पीछे दो बच्चों व पत्नी भूरी देवी को रोते बिलखते छोडा है। घायल महिला सीमा देवी का जेएन मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है।

मामले में एसडीओ सचिन कुमार भड़ाना ने बताया है कि घटना की जांच की जारही है मृतक के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा दिलवाने की कार्यवाही की जायेगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में शाला स्वच्छता अभियान का हिस्सा बनें कलेक्टर किया श्रमदान

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिले के सभी 2085 शासकीय स्कूलों में चलाया गया शाला स्वच्छता अभियान जनप्रतिनिधि, स्कूली शिक्षक, विद्यार्थियों के पालक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्व. सहायता समूह की दीदियों व ग्राम वासियों ने श्रमदान में दिया अपना सहयोग शाला प्रवेश उत्सव के पूर्व जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर आज जिले के सभी विकासखंड के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में शाला स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिले के सभी 2085 स्कूलों में श्रमदान के माध्यम से इस कार्यक्रम का संपादन किया गया। शाला स्वच्छता अभियान में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, स्कूली शिक्षक, विद्यार्थियों के पालक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह की दीदियों, ग्रामवासी व अन्य के द्वारा स्वप्रेरणा से श्रमदान का कार्य किया गया। इसी के तहत आज शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में कलेक्टर श्री रोहित व्यास व अन्य ने श्रमदान कर शाला को स्वच्छ बनाने का कार्य किया। विद्यालय परिसर के अंदर कचरों का पृथक्करण किया गया, जिसमें पेड़ एवं पौधों से गिरे सूखे पत्तों को अलग से एकत्र कर उसे नापेड मे डाला गया ताकि उससे निर्मित खाद का उपयोग परिसर के पौधों में खाद के रूप मे किया जा सके। विद्यालय के छत की सफाई भी कि गई ताकि बरसाती पानी का ठहराव छत में ना हो।इसके साथ ही सभी के सहयोग से स्कूल के प्रत्येक कक्ष की सफ़ाई की गई। इस दौरान कलेक्टर एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया गया व उपस्थित जनों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर यहां श्रीमती गीता जयसवाल (जिला पंचायत सदस्य), श्री सत्यनारायण जायसवाल, श्री सीमांचल त्रिपाठी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत सीईओ श्री कमलेश नंदिनी साहू द्वारा बतरा के शासकीय विद्यालय में शाला स्वच्छता अभियान में श्रमदान के माध्यम से योगदान दिया गया, वहीं सभी शिक्षकों, अधिकारी एवं कर्मचारियों की संकुलवार ड्यूटी लगाई गई थी जहां उन्होंने श्रमदान के माध्यम से स्कूलों को स्वच्छ बनाने हेतु अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

स्कूलों में शाला स्वच्छता एवं श्रमदान का हुआ कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश में आज जिले के समस्त स्कूलों में शाला स्वच्छता एवं श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके तारतम्य में जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत स्तिथ हाई स्कूल, माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला पतरापाली के समस्त स्टाफ एवं एसएमसी के सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधियों एवं सरपंच सचिव की उपस्थिति में शाला स्वच्छता अभियान कार्य किया गया। सफाई के साथ साथ पीने के पानी की समुचित व्यवस्था व अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिले के समस्त अधिकारियों को संकुल स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पुलिस चौकी पारा पर हुई शांती समिति की बेठक

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/पारा । आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस चौकी पारा पर शान्ति समिति की बेठक का आयोजन किया गया व नागरिकों से सभी त्योहार आपसी सदभावना से मिल जुलकर शान्ति से मनाने की अपील की। पुलिस चौकी पारा पर चौकी प्रभारी अशोक सिह बघेल ने आगामी त्योहारो को लेकर शान्ति समिति की बेठक का आयोजन किया गया । बेठक मे चौकी प्रभारी ने नगर और क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपने विचार साझा किये व क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के बारे मे विचार विमर्श कर जानकारीली व उपस्थित नागरिको से सहयोग की अपेक्षा के साथ सभी त्योहार को शान्ति पुर्वक आपसी सदभावना भाईचारे से मनाने की अपील की। ज्ञात है की चौकी प्रभारी श्री बघेल अभी कुछ दिन पुर्व ही पारा पुलिस चौकी पर पदस्थ हुवे है ।इस अवसर पर जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 3 के सदस्य व धर्म रक्षक प्रमुख हर्षिता वालसिह मसानिया मुस्लिम समाज के सेकटरी सय्यद शौकत अली, यासीन खा पठान, नगर के व्यापारी, गणमान्य नागरिक और पत्रकार गण उपस्थित थे।

स्कूलों में चलाया गया शाला स्वच्छता अभियान, अभियान के तहत स्कूलों की हुई साफ-सफाई

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- / जिला प्रशासन एवं कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा आयोजित जिले के सभी शालाओ में एक दिवसीय शाला स्वच्छता अभियान का अभिनव पहल किया गया जिसके तहत विकासखण्ड रामानुजनगर के पतरापाली में हाईस्कूल, माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला सहित अन्य विद्यालयों में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। शाला स्वच्छता अभियान में क्षेत्र के एस एम सी सदस्य, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थियों के पालक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सरपंच सचिव सहित ग्रामवासियों के द्वारा श्रमदान का कार्य किया गया।

शाला प्रवेश उत्सव से पूर्व इस अभियान में सभी ने बहुत तत्परता से कार्य किये। जहां विद्यालय परिसर, कमरे के अलावा बरामदा, शौचालय सहित अन्य जगहों में झाड़ू, फावड़ा लेकर बारीकी से साफ-सफाई की। विद्यालय परिसर में पशुओं के पहले गोबर को एकत्रित किया गया जिसे बरसात में पौधारोपण एवं किचन गार्डन के समय उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य नवल सिंह, प्रधानपाठक बीआर हितकर, जेडी सिंह, महेन्द्र पटेल, अनिता सिंह, योगेश साहू, कृष्ण यादव, परवीना, अंजली कवर, उपसरपंच, पंच, सचिव अजय सिंह, दुर्गा, शीला सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्रो. रामगोपाल यादव ने राहुल गांधी के ब्लैक बॉक्स वाले बयान का किया समर्थन, बोले- ईवीएम हैक की जा सकती है

एलन मस्क की टिप्पणी और फिर राहुल गांधी के ब्लैक बॉक्स वाले बयान का सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव ने समर्थन किया।ईवीएम हैक की जा सकती है। यह बात सपा के महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने ईवीएम की प्रमाणिकता को लेकर दुनिया के सबसे बड़े उद्योगपति एलन मस्क की टिप्पणी को संदर्भित करते हुए कही। उन्होंने दावा किया कि एलन मस्क ने जब कहा कि ईवीएम हैक की जा सकती है तो मतलब की जा सकती है।कहा कि एलन मस्क से बड़ा कोई भी तकनीकी ज्ञान वाला नहीं है। उनका कहना है कि ईवीएम हैक हो सकती है और उसमें डाटा फीड किया जा सकता है। देश में ईवीएम को लेकर लोगों में जो संदेह है वह सही है। इसलिए सभी दल पहले से भी कहते आए हैं कि ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से मतदान होना चाहिए। दुनिया में जहां लोगों ने पहले ईवीएम का इस्तेमाल किया है, अब बंद कर चुके हैं। वहां अब बैलेट पेपर से ही चुनाव होता है। कहा कि अमेरिका, यूके, जर्मनी जैसे विकसित देशों में भी बैलेट पेपर से चुनाव होता है।प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने शहर में पत्रकारों से बात करते हुए लोगों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा ईद भाईचारे और प्रेम का त्योहार है। अगर व्यक्ति का मन उदार रहेगा तो सुख, शांति और समृद्धि चारों तरफ रहेगी। ईश्वर से और अल्लाह से यह कामना करता हूं कि देश में अमन-चैन रहे। नेता प्रतिपक्ष के सवाल पर प्रो. रामगोपाल यादव कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि इस बारे में पार्टी नेतृत्व ही निर्णय लेगा। वहीं, करहल विधानसभा सीट पर प्रत्याशी को लेकर उन्होंने कहा कि करहल विधानसभा अखिलेश की है और वह मैनपुरी लोकसभा का हिस्सा है। ऐसे में इसका भी निर्णय जल्दी लिया जाएगा।

गर्मी ने ले ली ट्रक चालक की जान: अचानक सीने में हुआ दद...'और निकल गए प्राण; वाराणसी माल उतारने गया था

गर्मी ने ट्रक चालक की जान ले ली। उसके सीने में अचानक दर्द हुआ। कुछ ही देर में प्राण निकल गए। वाराणसी माल उतारने गया था। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी निवासी ट्रक चालक की गर्मी की वजह से जान चली गई। गर्मी से परेशान चालक के सीने में अचानक दर्द हुआ। कुछ ही देर में मौत हो गई। चालक ट्रक में चायपत्ती लेकर बनारस गया था। चालक की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।भीषण गर्मी ने जन जीवन को प्रभावित कर रखा है। बेवर थाना क्षेत्र के नगला परम गांव निवासी अवनीश कुमार (45) ट्रक चालक था। ट्रक चलाकर पत्नी व चार बच्चों का भरण पोषण कर रहा था। वह ट्रक में कोलकाता से चाय पत्ती लाद कर बनारस सप्लाई देने के लिए गया था। रविवार शाम बनारस के लंका मैदान में भीषण गर्मी के बीच चालक परेशान हो गया और ट्रक खड़ा कर आराम करने लगा। अचानक उसके सीने में तेज दर्द हुआ और वह अचेत हो गया। आसपास के लोगों ने पानी डाल कर चालक को होश में लाया। सूचना पर पहुंची पुलिस गंभीर हालत में अवनीश को अस्पताल ले गई। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर जैसे ही गांव नगला परम पहुंची तो परिजन में चीख पुकार मच गई। परिजन शव लेने के लिए बनारस के लिए रवाना हो गए हैं। सोमवार को देर शाम तक शव गांव आने की बात कही जा रही है।

घूसखोरी में पकड़ा गया दरोगा... भड़के इंस्पेक्टर, कहा- पत्रकार और एंटी करप्शन मेरा क्या कर लेंगे

बरेली के शीशगढ़ थाने की बंजरिया पुलिस चौकी के इंचार्ज की गिरफ्तारी के बाद थाने के इंस्पेक्टर भड़क गए। उन्होंने पत्रकारों और एंटी करप्शन के लोगों को अपशब्द कहे। इंस्पेक्टर ने कहा कि पत्रकार और एंटी करप्शन वाले मेरा क्या कर लेंगे। बरेली के शीशगढ़ थाने के दरोगा जितेंद्र कुमार को एंटी करप्शन टीम ने हाल ही में रिश्वत लेते गिरफ्तार कर जेल भेजा है। दरोगा को थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार का बेहद खास बताया जा रहा है। इससे इंस्पेक्टर और बौखला गए हैं। सोमवार को थाना प्रभारी की दो ऑडियो रिकार्डिंग वायरल हुई हैं। इनमें से एक में वह उस किसान को धमका रहे हैं जिसने अपने खेत से मिट्टी चोरी की रिपोर्ट कराई थी। इसमें तहरीर में ईंट भट्ठा मालिक का नाम दिया गया था लेकिन एफआईआर में नाम गायब था। किसान ने इसकी शिकायत एसएसपी से की थी।किसी ने उसकी शिकायत एक्स पर पोस्ट कर दी कि इंस्पेक्टर ने 50 हजार रुपये लेकर भट्ठा मालिक का नाम निकाल दिया है। इस पर भड़के इंस्पेक्टर किसान से कह रहे हैं कि पत्रकार मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे। पत्रकारों को अपशब्द कहे। वहीं दूसरी रिकार्डिंग में खनन का ट्रैक्टर ट्रॉली छोड़ने को लेकर एक प्रधान इंस्पेक्टर से अनुरोध कर रहे हैं। वह बता रहे हैं कि खनन की अनुमति है। यहां भी इंस्पेक्टर वाहन का फोटो खींचने वाले पत्रकारों को लेकर गालीगलौज कर रहे हैं। कह रहे हैं कि दरोगा जितेंद्र मेरा खास बताया जा रहा है लेकिन मैं लगातार अधिकारियों से कह रहा था कि इसे हटा दो, यह मेरे कब्जे में नहीं है। अधिकारियों ने मेरी सुनी होती तो ये नौबत नहीं आती। चौकी में रिश्वत लेते गिरफ्तार हुआ था दरोगा - शीशगढ़ थाने की बंजरिया पुलिस चौकी के इंचार्ज जितेंद्र सिंह को शनिवार को एंटी करप्शन की टीम ने दस हजार रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। चौकी इंचार्ज के कमरे की जब तलाशी ली गई तो वहां रखे बैग में 1.06 लाख रुपये भी मिले। चौकी इंचार्ज ने बताया कि रुपये फॉलोअर के मकान बनवाने के लिए इकट्ठे किए गए हैं। हालांकि इसका कोई सुबूत नहीं मिला। माना जा रहा है कि ये रुपये भी उगाही के हैं। जांच यह भी की जा रही है कि चौकी इंचार्ज के पास यह रुपये कहां से आए? किससे लिए गए हैं? साफ है कि चौकी इंचार्ज ने और भी लोगों से वसूली की है। विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। शीशगढ़ इंस्पेक्टर से लेकर चौकी पुलिस पर तैनात स्टाफ तक निशाने पर है। बताया जा रहा है कि चौकी पुलिस इस कदर बेलगाम थी कि पुलिस कर्मी वर्दी तक नहीं पहनते थे। विभागीय जांच में चौकी पुलिस के साथ ही शीशगढ़ थाना प्रभारी भी जांच के लपेटे में आ गए हैं।

युवक नहाते रहे... स्वीमिंग पूल में डूब गया 12 साल का बालक, गंभीर हालत में बरेली रेफर

बदायूं के बिसौली कस्बे में बकरीद के दिन दोस्तों के साथ स्वीमिंग पूल में नहाने गया 12 साल का हसन पानी में डूब गया। उसे बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। उसकी हालत बेहद गंभीर है। उसे बरेली रेफर किया गया है। बदायूं के बिसौली कस्बे में बकरीद के दिन स्वीमिंग पूल में नहाते समय 12 साल का बालक डूब गया। पूल में नहा रहे युवकों ने उसे बाहर निकाला। उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। उसे बरेली रेफर कर दिया गया है। हादसा सोमवार दोपहर करीब एक बजे का है। उस दौरान बिसौली कस्बा निवासी हसन पुत्र मुजाहिद अपने दोस्तों के साथ बुध बाजार स्थित स्वीमिंग पूल में नहाने गया था। तमाम युवक और किशोर स्वीमिंग पूल में नहा रहे थे। इसी दौरान हसन डूब गया।जब हसन में स्वीमिंग पूल में डूब रहा था, तब उस पर किसी की नजर नहीं पड़ी। युवक और किशोर नहाते रहे। जब वह काफी देर तक दिखाई नहीं दिया तो उसके दोस्तों ने उसे स्वीमिंग पूल में तलाश किया, उसे बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही परिवारवाले पहुंच गए। वह आननफानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से उसे बरेली रेफर कर दिया गया। इसकी सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
अपना प्रदेश
www.knlslive.com
18 June 2024

गजब का खेल: जो पहले से थे शादीशुदा, उनकी कराई गई शादी... दंपती 51 हजार रुपये लिए फिर से बने दूल्हा-दुल्हन

मैनपुरी में दंपती की फिर से शादी कराई गई। दोनों दूल्हा-दुल्हन बने, सात फेरे हुए और उपहार में सामान भी मिला। इतना ही नहीं इस दंपती को इस शादी के लिए 51 हजार रुपये का लाभ मिला। ये शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत कराई गई।बलिया में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हुआ फर्जीवाड़ा तो सभी को याद ही होगा। इसमें कई अफसरों और कर्मचारियों पर गाज गिरी थी। बलिया की तरह मैनपुरी में भी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा किया जा रहा था।

शादीशुदा जोड़े के सामूहिक विवाह में फिर से फेरे करा दिए गए। मामला विकास खंड घिरोर के गांव नाहिली का है। गांव निवासी विजय पाल पुत्री सेजल की शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने आवेदन भी किया था। समारोह में देरी के चलते उन्होंने 17 जनवरी 2023 को रीति-रिवाज से गांव में ही बेटी की शादी देशराज के साथ कर दी थी। इसके बाद 28 जनवरी 2023 को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें भी समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से शादीशुदा जोड़े को फिर से फेरे दिला दिए गए। विजय पाल ने बताया कि इसके लिए एडीओ समाज कल्याण ने उनसे 5000 रुपये की धनराशि रिश्वत के रूप में ली थी। 800 रुपये पहले लिए गए और 4200 रुपये बाद में लिए गए। रुपये लेने के बाद ही एडीओ समाज कल्याण ने अपात्र होने के बाद भी सेजल को पात्र दर्शा दिया और समारोह में उसकी दोबारा शादी करा दी। विजयपाल ने बताया कि उनका इरादा फर्जीवाड़ा करने का नहीं था।

मामला खुलने के बाद समाज कल्याण विभाग पूरे मामले को दबाने में जुटा हुआ है। मामले में जब एडीओ समाज कल्याण घिरोर राजकमल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वह बाहर हैं, ऑफिस आकर ही कोई जानकारी दे सकेंगे। इसके बाद उन्होंने बात करने से इन्कार कर दिया।

51 हजार रुपये प्रति जोड़े पर खर्च करती है सरकार- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक जोड़े पर कुल 51 हजार रुपये की धनराशि खर्च की जाती है। इसमें 35 हजार रुपये की धनराशि सीधे बेटी के खाते में जमा कराई जाती है। 10 हजार रुपये का सामान भेंट स्वरूप दिया जाता है। वहीं बाकी बचे 6 हजार रुपये की धनराशि आयोजन पर खर्च की जाती है। जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। अगर कहीं ऐसी गड़बड़ी हुई है तो जांच करवाकर दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकारी योजना में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ईद पर पूर्व प्रधान व उसके साथियों ने लोगों पर लाठी ड़डो से किया हमला, कवरेज कर रहे पत्रकार को दी जान से मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। जनपद में ईद की नमाज पढ़ने से पहले ही पूर्व प्रधान ने एक दर्जन साथियों के साथ लोगों के ऊपर हमला कर दिया। जिसमें पूर्व प्रधान और उससे पहले पूर्व के प्रधान के लोगों के बीच जमकर हाथापाई और मारपीट हुई है। मारपीट की वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वहीं आरोपी पूर्व प्रधान ने एक मीडियाकर्मी के साथ भी कवरेज करने के दौरान पुलिस कर्मियों के सामने ही जान से मारने की धमकी दी है। अब वायरल वीडियो और घटना का संज्ञान लेकर पुलिस अब कार्रवाई की बात कह रही है। झिझाना थानां क्षेत्र के गाव जिजोला का है। जहा पर ईद की नमाज पढ़ने से पहले ही पूर्व प्रधान जाहिद की गुंडागर्दी सामने आई है। पूर्व प्रधान जाहिद ने आज ईद के त्योहार के पर्व पर नमाज पढ़ने से पहले ईदगाह के बाहर ही पूर्व प्रधान हसन के घर पर घुसकर हमला कर दिया पूर्व प्रधान जाहिद ने पहले भी कई बार गांव का माहौल बिगड़ने का प्रयास किया है। लेकिन अन्य स्थानीय लोगों की सूझबूझ और शासन की सतर्कता के चलते माहौल को बिगड़ता नहीं दिया गया। आज भी ईद की नमाज अदा होने से पहले ही पूर्व प्रधान जाहिद ने अपने लोगों के साथ मिलकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया। वहीं कवरेज करने गए एक निजी पेपर के पत्रकार को भी पुलिस और अन्य लोगों के सामने जान से मारने की धमकी दी है

निजी अस्पताल में प्रसव के बाद पत्नी की मौत, सदमे में पति ने भी तोड़ा दम, अनाथ हुआ नवजात

पीलीभीत में दिल झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। पूरनपुर के एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई। दूसरे दिन ही सदमे में उसके पति ने दम तोड़ दिया।पीलीभीत के पूरनपुर में शनिवार रात प्रसव के बाद गांव पिपरा मुजप्ता निवासी रीता देवी की मौत हो गई थी।

सदमे में उसके पति नन्हे लाल शर्मा ने भी दम तोड़ दिया। बेटा-बहू की मौत से बुजुर्ग मां की हालत भी खराब हो गई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दंपती की मौत से रिश्तेदार और ग्रामीण स्तब्ध हैं। सभी के जहन में उस नवजात की परवरिश को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जो जन्म के दो दिन बाद अनाथ हो गया। थाना सेहरामऊ उत्तरी के गांव पिपरा मुजप्ता निवासी नन्हे लाल शर्मा शुक्रवार को प्रसव पीड़ा होने पर पत्नी रीता देवी को सीएचसी लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि सीएचसी कर्मियों ने निजी अस्पताल जाने की सलाह दी। आशा वर्कर ने कोतवाली रोड पर स्थित रामा नर्सिंग होम में अच्छे इलाज का भरोसा देकर शनिवार को सुबह करीब 10~30 बजे रीता को भर्ती करा दिया। ऑपरेशन के बाद बिगड़ी थी हालत - आरोप है कि मना करने के बाद भी यहां डॉक्टर ने ऑपरेशन कर दिया। इसके बाद से रीता की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। शनिवार शाम तक खून न रुकने पर डॉक्टर ने एक कागज पर जबरन हस्ताक्षर कराकर रीता को बरेली के लिए रेफर कर दिया। बरेली के निजी अस्पताल में पहुंचने पर वहां के चिकित्सक ने तीन घंटे पहले ही मौत होने की जानकारी दी। परिजन रात में ही रीता का शव लेकर रामा नर्सिंग होम पहुंचे थे। जानकारी पर संचालक ताला लगाकर फरार हो गए। परिजनों ने रीता का शव अस्पताल गेट पर रखकर हंगामा किया। रविवार को नन्हे लाल की तहरीर पर अस्पताल संचालक योगेश वर्मा, आरपी राठौर, हिमांशू वाजपेयी के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। वहीं पत्नी की मौत से नन्हे लाल टूट गए थे। रविवार की रात उनकी हालत बिगड़ गई तो उन्हें उपचार को ले जाया जा रहा था। रास्ते में उनकी मौत हो गई। शिशु को पहुंचाया निजी अस्पताल - नन्हे लाल की शादी ढाई साल पहले पीलीभीत के गांव मेदना निवासी रीता देवी से हुई थी। पहली संतान के रूप में बेटे ने जन्म लिया। निजी अस्पताल संचालकों ने उसकी पत्नी की जिंदगी ले ली। जन्मे पुत्र को शनिवार रात नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दंपती की मौत से नवजात हो गया है। नन्हे लाल के परिजन व रिश्तेदार उनकी बुजुर्ग मां को किसी तरह संभाल रहे हैं। उनकी तबियत भी बिगड़ गई है।

कौड़ियागंज में गंगा दशहरा के उपलक्ष्य किया शर्बत का बितरण

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ -ढ़ अकराबाद - कस्बा कौड़ियागंज स्थित दाऊजी मंदिर पर गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में शर्बत का वितरण किया गया। इस मौक़े पर भाजपा युवा नेता विनय वार्ष्णेय उर्फ़ बिट्टू भैया, अभिषेक अग्रवाल, राधेश्याम ज्वेलर्स,

हिमांशु वार्ष्णेय, कौशल लोधी, मोहित कुमार,संजय वार्ष्णेय,पुष्कर वार्ष्णेय, राजीव वार्ष्णेय, राधे कुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

हॉरर किलिंग : दूसरे समुदाय के युवक से प्रेम करने पर सगे भाई बने हैवान, बहन को जिंदा जला दिया

हरदोई के अतरौली में एक युवती के दूसरे समुदाय के युवक से प्रेम करने से बौखलाए उसके सगे भाइयों ने पहले तो उसका गला दबा दिया जब वह बेहोश हो गई तो फिर जिंदा जला दिया।दूसरे समुदाय के युवक से प्रेम करने पर युवती को उसके दो सगे भाइयों ने ही मार डाला। पहले उसका गला दबाया। जब वह बेहोश हो गई तो खर-पतवार डालकर उसे जिंदा जला दिया। युवती का अधजला शव बरामद

होने पर हरदोई पुलिस ने दो सप्ताह तक तफ्तीश करने के बाद रविवार को वारदात का खुलासा किया। दोनों हत्यारोपी भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई ओमनी कार भी बरामद कर ली है।हरदोई के अतरौली थाना क्षेत्र में पंवाया गहदो मार्ग पर 30 मई को सड़क किनारे एक युवती का अधजला शव मिला था। पुलिस ने हत्या की एफआईआर दर्ज कर तफ्तीश शुरू की थी। शव की पहचान काकोरी के कायस्थाना मोहल्ला निवासी संगीता सैनी उर्फ बिट्टी (18) के रूप में हुई थी। हरदोई पुलिस ने रविवार को वारदात का खुलासा किया। एसपी पूर्वी नृपेंद्र के मुताबिक संगीता का प्रेम प्रसंग स्थानीय इलाके के निवासी रहीम से था। परिजनों को इसकी जानकारी थी। काफी मना करने पर भी जब संगीता ने उससे संपर्क नहीं तोड़ा तो दोनों भाई दुर्गेश सैनी और शंकर उर्फ रवि 30 मई को ओमनी कार से उसे लेकर अतरौली पहुंचे। गहदो मार्ग पर कार खड़ी कर उसका गला दबाया। जब वह बेसुध हो गई तो उसे एक बड़ी पन्नी में लपेटा और सड़क किनारे उसके ऊपर पतवार रखकर पेट्रोल डाल आग लगा दी थी। ...आग लगा देंगे तो सांसें बंद ही हो जाएंगी पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब एक महीने से वह वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। घटना से एक दिन पहले ही एक बोतल पेट्रोल खरीदकर लाए थे। उनका कहना था कि शव की पहचान न हो सके इसलिए उसे जलाने की साजिश रची थी। किया भी वही, लेकिन पुलिस के जाल में फंस गए। आरोपी बोले कि जब गला दबाया था तब संगीता बेहोश सी हो गई थी। थोड़ा घबरा गए थे, इसलिए सोचा कि जब आग लगाएंगे तो सांसें बंद ही हो जाएंगी। इसलिए तुरंत उसे फूंक दिया था। मौसी के घर चलने की बात कह ले गए थे- पुलिस के मुताबिक बाकायदा साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया गया। दोनों भाइयों ने संगीता से 30 मई को कहा कि अतरौली निवासी मौसी की तबीयत खराब है। उनको देखने के लिए चलना है। इसलिए वह राजी हो गई। ओमनी कार से तीनों घर से निकले। अतरौली इलाके में पहुंचने के बाद कार रोकी। फिर अचानक से दोनों कार की पिछली सीट पर गए। शकर ने संगीता को पकड़ा और दुर्गेश ने उसका गला दबा दिया। फुटेज से ट्रेस हुई कार, मोबाइल बंद होने से शक गहराया- अतरौली इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई तो उसमें ओमनी कार दिखी। उसका नंबर ट्रेस किया गया। इसके जरिये काकोरी के कायस्थाना मोहल्ले में स्थित संगीता के घर तक पहुंचे। इससे शक की सुई परिजनों की तरफ घूमी। जब पुलिस ने दुर्गेश और शंकर के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल आदि निकाली तो पता चला कि घटना वाले दिन से लगातार तीन दिनों तक इन दोनों के मोबाइल बंद रहे। इससे सीधा शक उन पर ही गया। सख्ती से पूछताछ की गई तो दोनों वारदात कुबूल कर ली। दो माह पहले प्रेमी के साथ चली गई थी संगीता- संगीता करीब दो महीने पहले प्रेमी रहीम के साथ चली गई थी। पुलिस ने उसे चार दिन में खोज निकाला था और चौकी में दोनों पक्षों में समझौता करा दिया था। परिजन संगीता को लगातार रहीम से बात करने से मना कर रहे थे और उससे ताल्लुक खत्म करने के लिए धमका रहे थे, लेकिन वह रहीम से शादी करने की बात पर अड़ी थी। इस पर भाइयों ने तय किया कि उसे मार देंगे। ये बात खुद आरोपियों ने पूछताछ में कुबूल की है। संगीता 10वीं की छात्रा थी। रहीम ने बात करने के लिए उसे एक के बाद एक तीन मोबाइल दिए थे। जैसे ही परिजनों को मोबाइल की जानकारी होती उसे छीनकर तोड़ देते थे। पुलिस जब संगीता को खोजकर लाई थी तो उसके कुछ दिन बाद ही उसके पास फिर एक मोबाइल मिला था। तब दुर्गेश और शंकर ने उसे जमकर पीटा था। दोनों ने पूछताछ में बताया कि बहन को बहुत समझाया, लेकिन वह कुछ भी मानने को तैयार नहीं थी। इससे बदनामी हो रही थी। इसलिए उसे मौत के घाट उतार दिया। हत्या की थी जानकारी, फिर भी खामोश रहा परिवार- संगीता मां मिथिलेश और दोनों भाइयों दुर्गेश व शंकर के साथ रहती थी। अन्य चार भाई रोहन, गोविंद, सूरज व अतुल परिवार समेत पुराने मकान में रहते थे। संगीता के घर पर न पहुंचने पर सभी को ये पता तो चल ही गया था कि उसकी हत्या कर दी गई है, लेकिन पूरा परिवार खामोश रहा। अतरौली इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह का कहना है कि परिजनों की भूमिका की जांच की जा रही है। यदि किसी अन्य की संलिप्तता मिली तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। 06 टीमें लगीं, 500 कैमरे खंगाले, 15 दिन चली तफ्तीश- हरदोई पुलिस की छह टीमों ने खुलासे के लिए काम किया। करीब 500 कैमरों की फुटेज खंगाली गई और 15 दिन की गहन तफ्तीश के बाद वारदात का खुलासा हुआ। ओमनी कार का नंबर मिल जाना पुलिस के लिए सबसे अहम व पुख्ता सुराग साबित हुआ। उसी आधार पर घटना का खुलासा हुआ। क्योंकि आरोपियों ने मोबाइल किए थे, लिहाजा उससे कोई सुराग नहीं मिल सका था।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना ,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

52 मिनट 85 सैकेंड में की 400 मीटर दौड़ पूरी, नीरू ने किया एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

एथलेटिक्स चैंपियनशिप बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में 15 जून से चल रही है।

नीरू पाठक ने 52 मिनट 85 सैकेंड में 400 मीटर की दौड़ पूरी कर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।बालिका वर्ग में नीरू पाठक ने 52 मिनट 85 सैकेंड में 400 मीटर की दौड़ पूरी की। गोल्ड मेडल जीतकर बालिका अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। एथलेटिक्स चैंपियनशिप बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में 15 जून से चल रही है। नीरू पाठक के कोच विशाल सक्सेना ने बताया कि नीरू 200 मीटर में भी मेडल जीतेंगी। कामयाबी पर उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष शमशाद निसार आजमी ने बधाई दी है। नीरू के पिता राजवीर शर्मा व माता मिथलेश देवी ने बेटी की जीत पर खुशी जाहिर की है।

जल्लुपुर सेहौर में कूलर के करंट से महिला की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - कोतवाली के गांव जल्लुपुर सेहौर में कूलर के करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। महिला कांती देवी अपने घर में पौंछा लगा रही थी। इस दौरान कूलर में अचानक करंट आगया। जिसकी चपेट में आने से 55 वर्षीय कांता देवी पत्नी नरदेव की मौत हो गई। कांता देवी ने अपने पीछे तीन बच्चों व पति को रोते बिलखते छोड़ा है। उसकी मौत से स्वजनों का रोरोकर बुरा हाल है।

डिंपू जी ने सुनी लोगो की समस्या

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- मोदी जी युवा संगठन के आवास पर रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित सभी दुकान दार भाई ने आए और हमे सभी लोगो ने एक साथ बताए कि डिंपू जी हमे किसी से कोई मदद नहीं मिल रही है और आज रेलवे द्वारा हम लोगो को दुकान हटाने कि बात कही जा रही है इससे पहले भी रेलवे को जरूरत पड़ी थी अपना कैंपस को घेरने कि तो उस समय हम लोगो को कहा गया था कि आप रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे के जमीन खाली है उसी में आप सभी दुकान बना कर रहे फिर आदर्श आचार संहिता लगा था उस समय भी आप ने हम लोगो को मदद कि आप को हम सभी सोसल मीडिया से हो या न्यूज पेपर में हो या टीवी पर कभी कभी रेडियो कार्यक्रम पर भी आपके द्वारा किए गय कार्य को देखता हूं आप हमेशा गरीबों के दुख दर्द और पीरा को खुद महसूस कर उसके समाधान करते आज मेरे ऊपर भी दुखो का पहाड़ जैसे टूट कर गिर गया है और हम सभी को आप पर पूरा विश्वास है आप ही इस दुःख से सहारा है ऐसा है कि सीतामढ़ी जिला अंतर्गत सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन परिसर स्थित भूखण्ड पर पुनः स्थापना करने हेतु रेलवे प्रबंधक द्वारा सूचना संख्या ङ्ख 214दिनाक 13/3/2024 को सूचित किया गया है कि परिषद विकास करने के लिए स्क्क कंपनी के साथ इकरारनामा हुआ है परिषद में विगत 50वर्षो से भी अधिक से करीब 80 दुकान संचालित है जिसमे 400 से भी अधिक परिबारो का भरण पोषण होते आ रहा है प्राप्त सूचना के आलोक में सभी दुकानों को हटाने कि बात कही गई है जिससे पूर्व में मेरे द्वारा (डिंपू) सभी दुकान डारो को भूख मरी एबम अन्य आपदाओं से बचाने हेतु आदर्स आचार संहिता के तथ्य के आलोक में कार्यवाही रोक दी गई थी। उस दरम्यान रेलवे अधिकारी से प्रधान मंत्री योजना के अंतर्गत संचालित प्रधान मंत्री जन औषधी योजना के तहत स्थापित कर कार्य रूप देने कि बात तय कि गई थी (जो खुद नारायण श्रीवास्तव उर्फ डिंपू ही खोलने वाले थे) जिससे गरीब अर्थ विहीन लाचार असहाय वेक्तियो लाभांती हो सके तथा विस्थापित दुकानदारों को रेल्वे के ही खाली जमीन में स्थापित कर देने कि मानसा थी वर्तमान में पुनः प्राप्त सूचना के आधार पर सभी दुकानों को हटाने कि बात चल रही है जिससे सभी दुकानगण विस्थापित होने कि डर से मेरे द्वारा पूर्व में किए गय कार्य से प्राप्त राहत हेतु लिखित रूप से 80 दुकानगण स्वहस्थतारीत पत्र के साथ संपर्क कर आग्रह किया और आवेदन मुझे दिया। इसकी छाया प्रति आवेदन के साथ स्लाग्न करता हूं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश का एनसीईआरटी पर बड़ा आरोप, कहा- आरएसएस के मिलकर संविधान पर कर रही हमला

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एनसीईआरटी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वे आरएसएस से संबद्ध संस्था के रूप में काम कर संविधान पर हमला कर रही है। बता दें कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के संशोधन को लेकर विवाद चल रहा है।राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने पाठ्यपुस्तकों में कुछ बदलाव किया है। इसके बाद से ही वे लगातार विवादों में घिरे हुए हैं। एनसीईआरटी की नई किताबें बाजार में आई हैं। इनमें कक्षा 12 की राजनीति विज्ञान की किताब में बाबरी मस्जिद का जिक्र नहीं है और इसे तीन गुंबद ढांचा बताया गया है। साथ ही अयोध्या के बारे में जो पहले चार पेज का पाठ था, अब जानकारियां हटा दी गई हैं। यह अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आधारित हुआ। इसके बाद सोमवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप संबद्ध संस्था के रूप में काम कर रही है और संविधान पर हमला कर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने नीट 2024 में ग्रेस मार्क्स की गड़बड़ी के आरोप लगाया कि यह केवल एनटीए की अपनी विफलताओं से ध्यान अब एक पेशेवर संस्था नहीं रही। यह 2014 से आरएसएस से संबद्ध की आलोचना कर रही 11 वीं की राजनीति विज्ञान की किताब- 11 की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक धर्मनिरपेक्षता के विचार की राजनीतिक दलों की नीतियों की भी आलोचना करती है। कांग्रेस नेता करना है, न कि राजनीतिक पर्चे और प्रचार करना। एनसीईआरटी हमारे प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता स्पष्ट रूप से भारतीय गणतंत्र के आधारभूत

के विभिन्न निर्णयों में स्पष्ट रूप से धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का एक अनिवार्य हिस्सा माना गया है।एनसीईआरटी याद रखे अपना वजूद- जयराम रमेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि एनसीईआरटी को खुद को याद दिलाने की जरूरत है कि यह राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद है, नागपुर या नरेंद्र शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसकी सभी पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता संदिग्ध है।, जो स्कूल में मुझे आकार देने वाली पुस्तकों से बहुत अलग हैं। टीएमसी नेता ने भी साधा एनसीईआरटी पर निशाना-टीएमसी नेता साकेत गोखले ने भी एनसीईआरटी पर निशाना साधते हुए कहा, बेशर्म एनडीए 1.0 सरकार छात्रों से असुविधाजनक तथ्य छिपा रही है। उन्होंने कहा, यह तर्क दिया जा रहा है कि बच्चों को विश्व युद्ध जैसी अन्य हिंसक निराशाजनक चीजों के बारे में क्यों पढ़ाया जाए? क्या भाजपा और पीएम मोदी को अपराधियों और दंगाइयों के रूप में अपने इतिहास पर शर्म आती है? उन्होंने पूछा, छात्रों से सच्चाई क्यों छिपाई जाए? एनसीईआरटी निदेशक ने खारिज किए थे आरोप- एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बदलाव वार्षिक संशोधन का हिस्सा हैं और इस पर शोर-शराबा नहीं होना चाहिए। संख्या पर लगाए जा रहे स्कूली पाठ्यक्रमों के भगवाकरण के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गुजरात दंगों और बाबरी मस्जिद विध्वंस के संदर्भों को स्कूली पाठ्यपुस्तकों में संशोधित किया गया है। क्योंकि दंगों के बारे में पढ़ाने से बच्चों में हिंसक और उदास नागरिक पैदा हो सकते हैं। पाठ्यपुस्तकों में बदलाव वार्षिक संशोधन का हिस्सा हैं और इस पर शोर-शराबा नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमें स्कूली पाठ्यपुस्तकों में दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए? हम सकारात्मक नागरिक बनाना चाहते हैं, न कि हिंसक और उदास व्यक्ति। उन्होंने कहा, क्या हमें अपने छात्रों को इस तरह से पढ़ाना चाहिए कि वे आक्रामक हो जाएं, समाज में नफरत पैदा करें या नफरत का शिकार बनें? क्या यही शिक्षा का उद्देश्य है? क्या हमें इतने छोटे बच्चों को दंगों के बारे में पढ़ाना चाहिए। जब वे बड़े होंगे, तो वे इसके बारे में जान सकते हैं, लेकिन स्कूली पाठ्यपुस्तकों में क्यों? उन्हें बड़े होने पर यह समझने दें कि क्या हुआ और क्यों हुआ। बदलावों के बारे में शोर-शराबा अप्रासंगिक है।

पानी के बहाने केजरीवाल पर निशाना, भाजपा-कांग्रेस बोलीं- दिल्ली को चाहिए काम करने वाला CM

भाजपा ने पानी के मुद्दे पर लगातार दिल्ली सरकार को घेर रखा है। रविवार को पार्टी ने पूरी दिल्ली में पानी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। ईद के दिन सोमवार को भी पार्टी ने पूरी राजधानी में पानी के मुद्दे पर केजरीवाल सरकार को घेरा। दिल्ली में पानी के लिए जंग जारी है। आम जनता पानी के लिए तरस रही है। कहीं पानी के लिए लोग घंटों तक टैंकरों का इंतजार कर रहे हैं, तो कहीं पानी के लिए एक दूसरे का सिर फोड़ रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाया है। वे दिल्ली सरकार से जल्द से जल्द लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही दोनों दलों ने दिल्ली के लिए ऐसे मुख्यमंत्री की मांग की है, जो दिल्ली के लिए काम करने में सक्षम हो। इसे दिल्ली विधानसभा के चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। लगातार प्रदर्शन- भाजपा ने पानी के मुद्दे पर लगातार दिल्ली सरकार को घेर रखा है।रविवार को पार्टी ने पूरी दिल्ली में पानी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। ईद के दिन सोमवार को भी पार्टी ने पूरी राजधानी में पानी के मुद्दे पर केजरीवाल सरकार को घेरा। पार्टी के सभी सांसदों-विधायकों और पदाधिकारियों

ने अपने-अपने इलाकों में पानी के मुद्दे पर प्रदर्शन करते हुए दिल्ली सरकार पर लोगों को साफ जल उपलब्ध कराने में असफल रहने का आरोप लगाया। चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में पानी की समस्या कोई नया विषय नहीं है। हर साल दिल्ली में पीने के पानी की कमी होती है। यदि सरकार समय रहते कार्रवाई करती, पेयजल के उपाय करती, तो आज लोगों को पीने के लिए पानी की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। पार्टी नेता हरीश खुराना ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार सत्ता में दस साल रहने के बाद भी लोगों को पानी तक नहीं उपलब्ध करा सकी है। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली के पास काम करने वाला मुख्यमंत्री होता, तो लोगों को इस तरह पानी के लिए न तरसना पडता। भाजपा नेता ने कहा कि दिल्ली को एक काम करने वाला मुख्यमंत्री चाहिए। खराब हुई पानी की स्थिति- कांग्रेस कांग्रेस ने पीने के पानी के लिए पूरी राजधानी में मटका फोड़ प्रदर्शन किया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि सत्ता में आने के दस साल बाद भी अरविंद केजरीवाल सरकार लोगों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं करा पाई है। वह सबको मुफ्त पानी, मुफ्त बिजली का वादा तो करती है, लेकिन असलियत यह है कि लोगों को पीने का पानी तक नहीं मिल रहा है। इसी से साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल सरकार किसी भी मोर्चे पर सफल नहीं रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को काम करने वाला मुख्यमंत्री चाहिए, जो लोगों का खयाल रख सके।

खराब सिग्नल को तेज गति से पार करने दिया गया या फिर लोको पायलट ने की अनदेखी? रेलवे ने कही यह बात

पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। इस हादसे में अब आठ लोगों की मौत और कई घायल बताए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस सोमवार को सुबह न्यू जलपाईगुड़ी के पास हादसे का शिकार हो गई। उसे एक मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। यह हादसा इतना भयानक था कि मालगाड़ी से टक्कर होने के बाद ट्रेनों की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं। जबकि कई बोगियां हवा में लहरा गईं। वहीं 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। आइए जानते हैं ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे की यादें ताजा करने वाली दुर्घटना कैसे हुई। सुबह-सुबह खराब था सिग्नल सिस्टम- रेलवे सूत्रों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि रानीपात्रा रेलवे स्टेशन और पश्चिम बंगाल के छत्तर हाट जंक्शन के बीच सुबह साढ़े पांच बजे से ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब पड़ा था।सूत्रों ने बताया कि ट्रेन नंबर 13174 (सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस) रंगापानी स्टेशन से सुबह आठ बजकर 27 मिनट पर रवाना हुई थी और सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम खराब होने के चलते रानीपतरा रेलवे स्टेशन तथा छत्तर हाट के बीच रुकी रही। वहीं, एक अन्य रेलवे अधिकारी ने बताया कि जब ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम फेल हो जाता है, तो स्टेशन मास्टर टीए 912 नामक एक लिखित प्राधिकरण जारी करता है, जो चालक को खराबी के कारण सेक्शन में सभी लाल सिग्नलों को पार करने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि रानीपतरा के स्टेशन मास्टर ने ट्रेन संख्या 1374 (सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस) के लिए टीए 912 जारी किया

था।अधिकारी ने आगे कहा कि उसी समय एक मालगाड़ी जीएफसीजे सुबह आठ बजकर 42 मिनट पर रंगापानी से रवाना हुई और 13174 के पिछले हिस्से से टकरा गई। इससे गार्ड का डिब्बा, दो पार्सल डिब्बे और एक सामान्य सीटिंग डिब्बा पटरी से उतर गया। चालक ने सिग्नल की अनदेखी की?- रेलवे बोर्ड ने अपने शुरुआती बयान में कहा था कि मालगाड़ी के चालक ने सिग्नल की अनदेखी की थी। इस हादसे में मरने वालों की कुल संख्या आठ बताई जा रही है। हालांकि कुछ स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि यह संख्या 15 तक हो सकती है यह है नियम- सूत्रों ने कहा कि जांच से ही पता चल सकेगा कि क्या मालगाड़ी को खराब सिग्नलों को तेज गति से पार करने के लिए टीए 912 दिया गया था या फिर यह लोको पायलट था, जिसने खराब सिग्नल के नियम का उल्लंघन किया था। अगर बाद वाला मामला है तो चालक को हर खराब सिग्नल पर एक मिनट के लिए ट्रेन रोकनी थी और 10 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ना था। लोको पायलट के संगठन ने रेलवे के इस बयान पर सवाल उठाया है कि ड्राइवर ने लाल सिग्नल का उल्लंघन किया। भारतीय रेलवे लोको रनिंगमैन संगठन (आईआरएलआरओ) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी ने कहा, लोको पायलट को हादसे का जिम्मेदार मानना बेहद आपत्तिजनक है। हादसे में उनकी भी जान गई है। वहीं सीआरएस जांच लंबित है। रेलवे बोर्ड ने किया चौंकाने वाला खुलासा -रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ जया वर्मा सिन्हा ने बताया कि बचाव अभियान पूरा हो गया है। ट्रेन चला रहे चालक (लोको पायलट) ने सिग्नल की अनेदखी की थी, जिसकी वजह से हादसा हुआ। हालांकि, हादसे में उसकी भी मौत हो गई। वहीं, कंचनजंगा एक्सप्रेस के गार्ड ने भी अपनी जान गंवा दी है। उन्होंने रहा कि अगरतला-सियालदह मार्ग के सभी रेलवे स्टेशनों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं। हवा में लटक रहा है कंचनजंगा का डिब्बा. अभी भी कंचनजंगा का एक डब्बा हवा में लटका हुआ है। सूत्रों के मुताबिक चालक, सहचालक, कंचनजंगा गार्ड समेत कईयों की मौत हो गई है। यात्रियों के लिए अतिरिक्त बस सेवाएं- कंचनजंगा एक्सप्रेस के फंसे यात्रियों को निकालने के लिए उत्तर बंगाल राष्ट्रीय परिवहन निगम द्वारा बस सेवाओं की व्यवस्था की गई है। उत्तर बंगाल राष्ट्रीय परिवहन निगम के अध्यक्ष पार्थप्रतिम रॉय ने कहा कि 10 बसें दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं। उन्होंने कहा कि सिलीगुड़ी-कोलकाता अतिरिक्त बस सेवा सोमवार दोपहर से सिलीगुड़ी तेनजिंग नोर्गे बस टर्मिनल से चालू हो जाएंगी। सेवा सामान्य बनाए रखने का प्रयास जारी- पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर बंगाल में ट्रेनों की आवाजाही सामान्य है। मालदा डिविजन में फंसी ट्रेनें रवाना हो गई हैं। जिस लाइन पर हादसा हुआ है, सेवा बहाल की जाएगी। सिंगल लाइन पर ट्रेनों का आवागमन होगा।

आरक्षित कोच से बाहर होंगे प्रतीक्षा सूची वाले यात्री, संगम एक्सप्रेस के स्लीपर कोच से हुई शुरुआत

ट्रेनों के आरक्षित कोच में बढ़ रही भीड़ को देखते हुए रेलवे ने नई व्यवस्था लागू की है। अब सीट कन्फर्म न होने पर प्रतीक्षा सूची में शामिल यात्रियों को बोगी से निकालकर जनरल बोगी में भेज दिया गया। इसकी शुरुआत भी रेलवे महकमे ने शुरू कर दी है। वेटिंग टिकट वालों की भीड़ के चलते रिजर्व सीट वालों को भी यात्रा में दिक्कत हो रही है। ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची बढ़ने की वजह से आरक्षित कोचों में भी यात्रियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। इस वजह से जिन यात्रियों का कंफर्म रिजर्वेशन है उनमें से कइयों को अपनी बर्थ प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के साझा करनी पड़ रही है। इस वजह से सफर के दौरान उन्हें खासी असुविधा हो रही है। कंफर्म टिकट वाले यात्रियों की इस समस्या को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने विशेष जांच अभियान शुरू किया है। रविवार को चले इस अभियान में पहले दिन सूबेदारगंज स्टेशन पर मेरठ जाने वाली संगम एक्सप्रेस के स्लीपर कोच से प्रतीक्षा सूची वाले 15 यात्रियों को उतारकर उन्हें जनरल कोच में भेजा गया। इस बीच प्रयागराज जंक्शन पर सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला के नेतृत्व में यात्रियों की बैठक हुई। स्टेशन निदेशक कक्ष में आयोजित बैठक में तमाम विभागों के अफसरों एवं कर्मचारियों ने शिरकत की। इस दौरान गर्मी के इस सीजन में ट्रेनों की लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए भीड़ प्रबंधन दुरुस्त करने को कहा गया। एसी कोच में यात्रियों को साफ सुथरी चादर, तकिया और कंबल दिए जाने पर जोर दिया गया। बढ़ाने एवं छोटे स्टेशनों पर उचित प्रकाश की व्यवस्था करने को कहा गया।

संक्षिप्त समाचार

शामली मे माँ शाकम्भरी देवी सेवादल ने लगाया ठंडे शर्बत का प्याऊ

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। आज एकादशी पर माँ शाकम्भरी देवी सेवादल शामली ने प्रात: 10 बजे मिल रोड पर लगाया ठंडे शर्बत का प्याऊ। जिसमें हजारों की संख्या में लोगो ने शर्बत पी कर अपनी प्यास बुझाई और गर्मी में राहत की साँस ली तथा माँ शाकम्भरी सेवा दल को दुआ दी। गर्मी में इस प्रकार सेवा करने का भाव कुछ ही लोगों में देखने को

मिलता है। गर्मी में पानी, शर्बत आदि लगाना पुण्य का काम होता है जिसके करने से भगवान खुश होकर सब की मनोकामना पूर्ण करते हैं। इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर समिति के अध्यक्ष तथा सभी पदाधिकारी मौजूद रहे और कार्यकर्ताओं ने सेवा कर धर्म लाभ उठाया। इस अवसर पर समिति के संथापक अजय तायल, संरक्षक राजेन्द्र गर्ग, अध्यक्ष राहुल कुच्छल,महामंत्री अजय गोयल,कोषाध्यक्ष नवीन बंसल व कार्यकारिणी सदस्य मनोज सैनी, सुभाष सैनी, आलोक सैनी, सचिन गर्ग, संजीव सिंघल, नरेश नामदेव, शिनखिल संगल, विशाल ऐरन, शुभम संगल आदि उपस्थित रहें।

महिला व उसके पति को सारे आम बाजार में बुरी तरह पिटा, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- गांधी चौक शामली पर दबंग शरारती तत्वों जो गऊशाला के सामने, बीस फुटा रोड के निवासी बताएं गए हैं जिनकी पहचान हो गई है ने बाइक का पहिया सीमा पत्नी प्रमोद के पैर पर चढ़ा दिया कहासुनी होने के कारण दबंगों ने उन दोनों के साथ मारपीट कर दी। जानकारी के अनुसार सीमा सैनी व प्रमोद सैनी मोहल्ला लाजपतराय शामली ने बताया कि हम गांधी चोक

शामली बाजार में समय करीब शाम 8 बजे कुछ समान लेने के लिए जा रहे थे।रास्ते में 3 लड़के बाइक को बहुत तेजी के साथ चलाकर आये तथा इन लड़कों ने मेरे (सीमा सैनी) पैर पर बाइक का आगे वाला पहिया चढ़ा दिया। जिसमें में गिर गई। मेने इन लड़कों को कहा की भाई देखकर चलाओ बाइक तो इतनी सी बात को लेकर मेरे साथ ओर मेरे पति प्रमोद सैनी लाजपतराय शामली के साथ बुरी तरह मार पिटाई शुरू कर दी ओर गन्दी गन्दी गालियां देने लगे। पुरे बाजार में आदमी इकठ्ठा हो गए और छुड़ाने लगे और जान से मारने की धमकी देते फरार होगए। यह सब घटना बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। सीमा सैनी लाजपतराय जो गर्भवती बताई जा रही है के पेंट में घुसे लातें मारी गई है जिसके चलते सीमा सैनी की तबीयत खराब हो गई है। शामली कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यह लड़के कोतवाली पुलिस में सैटिंग कर रहे हैं। जिसमें इन पर शामली कोतवाली पुलिस कोई कानूनी कार्यवाही नहीं कर रहीहै। बड़ा दु:ख का विषय है 3 लड़के एक गर्भवती महिला पर भरे बाजार में मार पिटाई कर रहे हैं। देश का दुर्भाग्य है सरकार कहती हैं की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ। कहा गया यह नारा अब। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है इन लड़कों की। क्या यही कानून हैं भारत देश का इन लड़कों के परिजन सीमा सैनी के घर पर दबंग लोग भेजकर फैसले का दबाव बना रहे हैं। पहले पिटाई करों उसके बाद फैसला करों। समाजहित में यह बहुत बड़ी घटना को खतरनाक अंजाम देने वालों को सजा मिलनी चाहिए। देखते है शामली कोतवाली पुलिस क्या कानूनी कार्यवाही करती है। क्योंकि अगर इन दबंग लड़कों पर कानूनी कार्यवाही नहीं होती हैं तो इस तरह की घटनाएं रुकने का नाम नहीं लेंगी और आगे भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है। सीमा सैनी लाजपतराय का मेडिकल भी कराया गया है। फिर भी कोई कार्यवाही पुलिस द्वारा नहीं की गई। सीमा सैनी का ये भी कहना है कि यदि मुजे न्याय नहीं मिला तो ऊपर बड़े पुलिस अधिकारी के पास रिपोर्ट करूंगी।

Are you also eating 'white poison'? Be careful, otherwise you can fall prey to serious diseases

Dehydration can increase the problem of UTI in summer, women should take special precautions

To keep the body healthy and fit, it is important that you pay special attention to your lifestyle and diet. Nutritionists say that if we all improve our eating habits, we can prevent many types of serious and chronic diseases. In many studies related to dietary disorders, people have been warned about 'white poison'. 'White poison' i.e. excessive consumption of sugar and salt is considered to be the main reason for many rapidly increasing chronic diseases at present. Nutritionists say that excessive consumption of salt and sugar increases the risk of serious problems ranging from diabetes to hypertension and inflammation. This has been seen to cause the risk of both short-term and long-term health disorders. If you also consume them in excess, then be careful.Problems caused by sugar and salt Nutritionist Garima Taneja said in a post on social media, both sugar and salt are harmful to our overall health. Generally, sugar is considered to be a cause of diabetes and salt is considered to be a cause of high blood pressure. But salt and blood pressure for diabetics- sugar can also have many serious side effects for heart patients. Unfortunately, most people in India consume much more than the prescribed amount of sugar and salt on a daily basis. Due to this, the risk of inflammation and cancer in the body increases. Disadvantages of consuming too much sugar- Everyone is aware of the risks of type-2 diabetes due to consuming too much sugar, but do you know that its excessive consumption also increases the risk of heart diseases in you? Evidence shows that a diet high in sugar increases the risk of obesity and inflammation in the body as well as triglycerides, blood sugar and blood pressure. All these are risk factors for heart disease. A study conducted on more than 25,877 adults found that individuals who consumed things with added sugar in large quantities were at a higher risk of heart disease and coronary complications. Be careful if you eat too much salt- Just like excess sugar, eating too much salt is also harmful for health. Excess salt not only increases blood pressure, but it is also considered a factor in increasing stomach cancer. A review of studies conducted on more than 268,000 participants found that people who consume up to 3 grams of salt per day may have a 68% higher risk of stomach cancer than those who consume 1 gram or less of salt per day. What do experts say? Dieticians say that salt and sugar are called 'white poison' due to the health risks they cause. Salt absorbs calcium from our bones while sugar accelerates the aging process and causes depression. To maintain both physical and mental health, it is important to reduce the amount of both salt and sugar from the daily diet.

The risk of many types of health problems increases significantly in summer. Conditions like heat stroke and dehydration can cause serious and life-threatening side effects. Health experts say that in this season of high temperatures, cases of urinary tract infection (UTI) are also seen more. UTI can occur in any part of the urinary system. Most infections affect the lower urinary tract - bladder and urethra. If it is not identified and treated on time, there may be a risk of infection reaching the kidney. Doctors say that women have a higher risk of getting UTI than men. This is the reason why on high temperature days, along with protection from heat stroke and other side effects of heat, there is a need to take special precautions regarding the risk of UTI. Problem can increase due to dehydration - Dr. Rachna Singh of the Urology Department in Lucknow says that the risk of UTI during summer has been seen more in those who reduce the intake of fluids. This can also be a side effect of dehydration. In case of UTI, along with burning and pain in urination, there is also the problem of frequent urination, strong urge to urinate and bleeding in urine. It becomes necessary to identify its symptoms in time and get treatment. How to identify it? The doctor says, it is not necessary that all people feel symptoms in case of UTI. However, as the infection increases, many types of problems start occurring, for which special care should be taken. Strong urge to urinate that does not go away. Burning sensation while urinating. Frequent urination and small amount of urine. Bright pink or cola colored urine. Strong smell from urine. Pain in the pelvic area in women. What to do if symptoms of UTI are seen? Dr. Rachna says, symptoms like UTI are seen in many other types of problems related to urination. Therefore, urine test is considered necessary to know about the infection. There is a common myth that UTI can be treated with cranberry juice, although it is not necessary that everyone will get benefit from it. Antibiotics are used to cure the infection, although it can be changed depending on the bacteria causing the infection. What to do to avoid the risk of UTI? Dr. Rachna says, to reduce the risk of UTI in summer, it is most important to drink at least three to four liters of water or fluid every day. Apart from this, urinate every three hours. Urinating after intercourse and cleaning the genitals is necessary. People who have diabetes have a higher risk of UTI, such people are advised to be more careful.

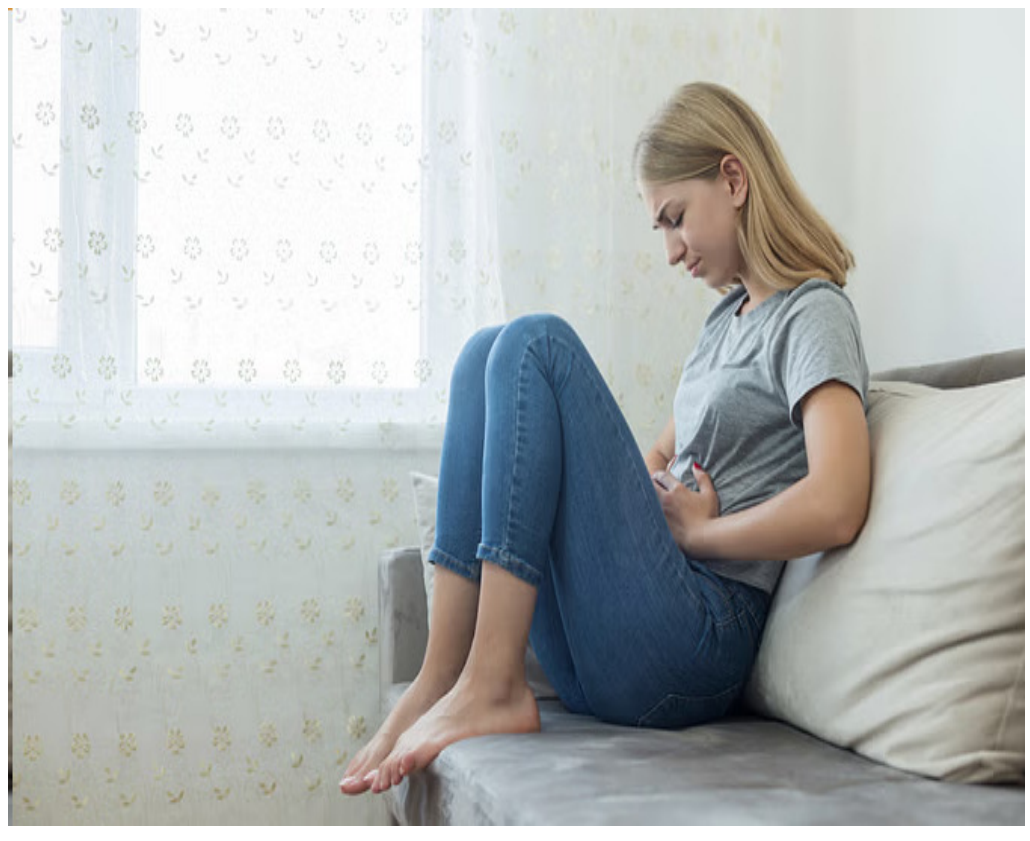

The practice of Kapalbhati is beneficial to overcome many physical problems including digestion.

Yoga is a beneficial way to keep the body healthy. Regular practice of yogasanas keeps not only the body but also the mental health in good condition. That is, yogasanas are considered beneficial for both physical and mental health. Many types of diseases affect our body and brain. Just as different medicines get rid of different diseases, different yogasanas protect from many diseases. However, if you single yoga, then you can practice positive energy in the body as well of many types of pranayama is hormones balanced, promoting physical coordination. According Kapalbhati Pranayama daily also kidney and liver. In the next slides, practicing Kapalabhati process of doing Kapalabhati. To do Kapalabhati, sit in with both hands. Take a deep jerk. During this, pull the stomach Kapalabhati, then practice for 5- practice with time. Benefits of practice of this yoga helps in blood. This breathing yoga and strengthens the lungs. toxins and other waste materials Kapalabhati is helpful in increasing the metabolism rate. brain cells and improving memory

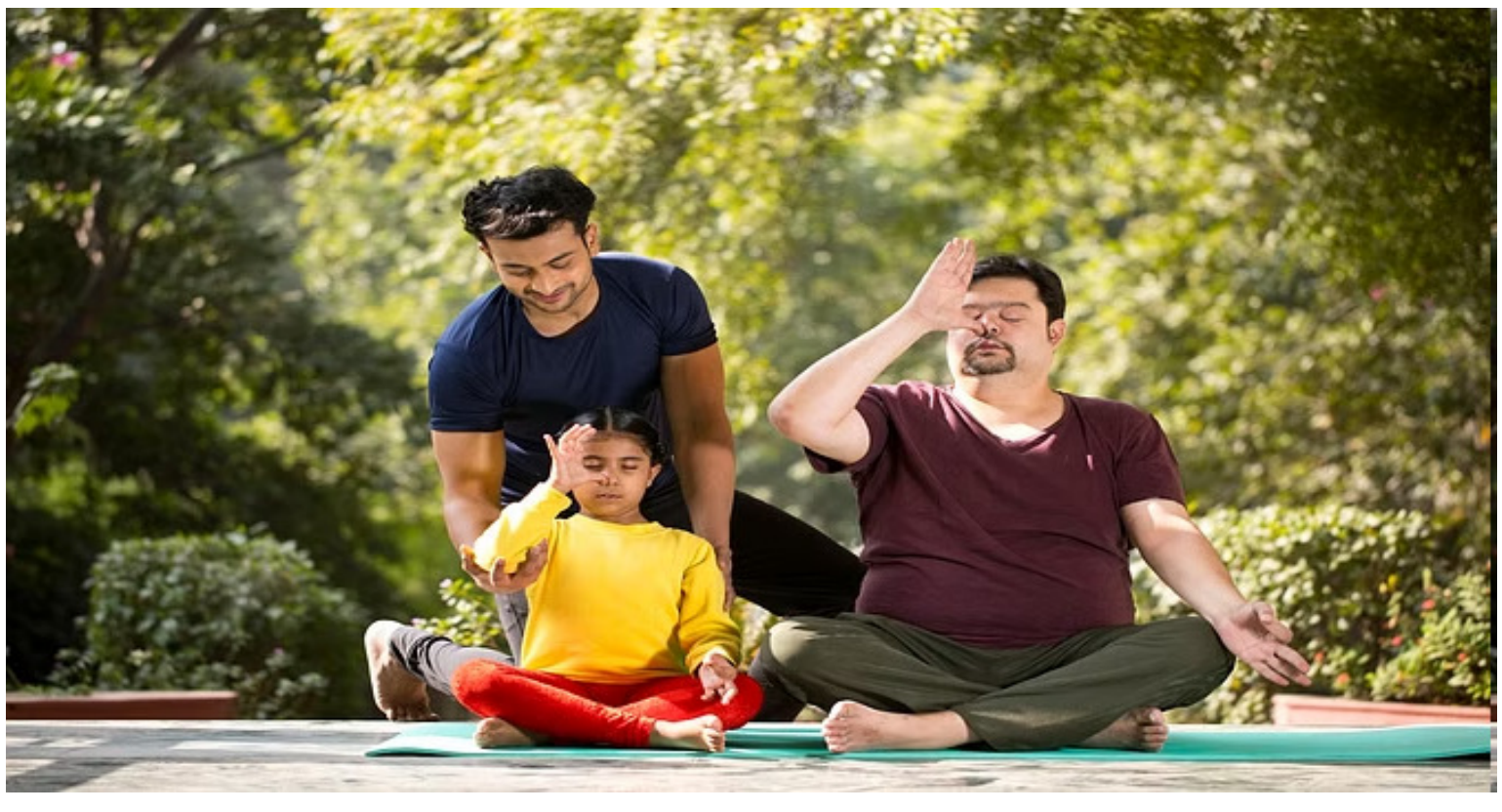

expect many health benefits from a pranayama. Pranayama promotes as improves digestion. The practice considered beneficial in keeping blood circulation and improving to health experts, practicing has a good effect on the health of the know the health benefits of Pranayama and the complete How to do Kapalabhati Pranayama? Padmasana and make Chitta Mudra breath inwards and exhale with a inwards. If you are starting to do 10 minutes only and increase the Kapalabhati Pranayama The increasing the level of oxygen in the increases the capacity of the lungs Kapalabhati helps in removing from the body. Regular practice of controlling the level of bile and This yoga is beneficial for activating and concentration power. The practice of Kapalabhati relieves anxiety and stress. Kapalabhati is also beneficial for making the skin healthy and glowing. Regular practice of Kapalabhati is also beneficial for those who have asthma and sinus problems to get rid of these diseases. The practice of Kapalabhati can be beneficial in relieving many stomach problems including improving digestive problems.

Sharmila is Sara's friend, the actress said - her opinion is important for every small and big decision of life

Bollywood's veteran actress Sharmila Tagore is Saif Ali Khan's mother and Sara Ali Khan's grandmother. Talking about her grandmother, Sara says, 'My grandmother is very dear to me. Whenever I feel weak, I go to her. She gives me courage. Actress Sara Ali Khan is very close to her grandmother Sharmila Tagore. She is often seen talking about her in her interviews.

Recently, Sara gave an interview to K magazine in which she called her grandmother an unmatched amalgamation of tradition and modernity. At the same time, Sara also revealed that she goes to her grandmother for every small and big decision of her life. Courage is obtained from grandmother - Bollywood's veteran actress Sharmila Tagore is Saif Ali Khan's mother and Sara Ali Khan's grandmother. Talking about her grandmother, Sara says, 'My grandmother is very dear to me. Whenever I feel weak, I go to her. She gives me courage. She is the voice of all of us. In the year 2020, when I was going through a difficult phase in my life, she was there for me and my mother.' Gives advice about boys - Sara Ali Khan further says, 'I tell my grandmother everything that is on my mind. Me and grandmother also talk about the boys who have come into my life. She is quite modern. Grandmother is the strength of our family. She has taken care of the whole family. She always talks logically. Half of my problems are over just by talking to her. Does not bother me due to trolling - Sara Ali Khan is often a victim of trolling. Talking on this subject, the actress said, 'I believe that as soon as someone gets a chance, he starts trying to pull you down. This happens the most on social media, but believe me, I do not have any problem with trolling at all. I believe that something worse than what is happening can happen, so one should not be worried under any circumstances. Another important thing that I believe is that if you are an actor and no one is talking about you, then your entire existence becomes useless. You are something, that is why people are talking about you.

Dispute between Digangana Suryavanshi and producer Manish Harishankar deepens, defamation notice sent

The dispute between actress Digangana Suryavanshi and producer Manish Harishankar seems to be increasing. After the producer filed a complaint against the actress, now the actress has sent a defamation notice to the makers of 'Show Stopper'. Some time ago, director-producer of 'Show Stopper' Manish Harishankar accused actress Digangana Suryavanshi of making false promises and taking money from the team. Now the actress has taken legal action against its producers. Digangana has sent a defamation notice to director Manish Harishankar. She has filed a complaint against the producer under various sections. According to media reports, the actress has filed a complaint against the producer under sections 420, 406, 509, 499, 500, 503, 506, 63, 199, 211. What is the matter? The actress has rejected all the allegations leveled against her by 'Show Stopper' director-producer Manish Harishankar.

Let us tell you that Manish had accused the actress of 'extortion' and 'criminal breach of trust'. The show's production house MH Films had filed a police complaint against Digangana accusing her of fraud and criminal breach of trust under Section 420 and Section 406 of the IPC. What did Digangana say? - According to reports, actress Digangana, while talking about the producer's claims, said that this is Manish's bizarre imagination. This is all a lie. This is just a cheap publicity stunt to drag names. The actress said, 'Clearly he is trying to find a scapegoat. I do not want to waste time in explaining further. I have already wasted a lot of time trying to help him.' Digangana's lawyer retaliated - Actress Digangana's lawyer retaliated and said that the actress had taken Akshay Kumar's approval to join as a presenter for Showstopper under a business deal, which Manish did not fulfill. The actress's lawyer said, 'We would like to officially state that all the allegations leveled against our client Digangana are completely baseless and are the result of someone's criminal intent and an attempt to hide their shortcomings.' Lawyer Rajendra Mishra said that his client has known Manish for seven years and is an actress in his series 'Showstopper', when Manish was in a condition where he could not help himself, he sought help from his client and proposed a business deal where his team made an agreement between him and Digangana. Let us tell you that according to media reports, this project has come to a halt due to financial crisis. Some reports claim that investors have not even received their payments back.

After appearing on screen as an artist, these actresses opened their own production company

Thousands of films are made every year in the Indian film industry. Producers are also now investing big money on films. Due to the growing OTT, the possibility of loss on films has now reduced a bit. Even before the release of the film, the producers sell its digital rights to OTT platforms, which gives them a lot of money. As the possibility of loss in film production reduces, many actors are now trying their luck in this field. In the last few years, many actresses have also opened their own production company, under which they are also making films of their own choice. Today in this article we will talk about those actresses who have their own film production company. Kriti Sanon-The latest name in this episode is actress Kriti Sanon. Kriti is a well-known actress of Hindi films. She started her career as a Hindi film actress with the film 'Heropanti' released in the year 2014. In her nine-year film journey, she has achieved a position for herself. This year also two of her films have been released, which have performed brilliantly at the box office. Her films 'Crew' and 'Teri Baato Mein Aisa Uljha Jiya' have received good response from the audience. After gaining recognition as an actress, the actress is now going to enter film production. She recently gave information about her production company through social media. She has named her film production company 'Blue Butterfly Films'. Kangana Ranaut Kangana Ranaut is a well-known Bollywood actress. Recently she has also stepped into politics. She made her debut in Hindi films with the film 'Gangster' released in the year 2006, for which she also received the Best Debut Actress Award. She has done many great films in her 18-year long career. She has also received five National Film Awards so far. After making her mark in films as an actress, she also worked as a producer. She has her own production company named 'Manikarnika Films'. She launched this production company in the year 2020. Under this, he has made films like 'Manikarnika' and 'Tiku Weds Sheru'. Anushka Sharma Famous actress Anushka Sharma made her debut as an actress in Hindi films with the film 'Rab Ne Bana Di Jodi'. In this film released in the year 2008, she was seen with Bollywood superstar Shahrukh Khan. In her

16-year long career, she has worked in many superhit films. After showing her acting skills in films, she stepped into the field of film production. In October 2013, she founded her production company 'Clean Slate Films' along with her brother. Under the banner of this production company, he has produced films like 'NH 10', 'Pari', 'Kala' and the upcoming film 'Chakda Express'. Apart from this, this production company has also made web series like 'Paatal Lok', 'Kohra' etc. Deepika Padukone- Deepika Padukone is one of the most famous actresses of the current era. Apart from this, she is becoming the first choice of producers in big budget films. Her last three films 'Pathan', 'Jawaan' and 'Fighter' have grossed more than Rs 2500 crore at the box office. Soon, another of her much-awaited films 'Kalki 2898 AD' is going to be released. This film is one of the most expensive Indian films ever. Deepika started her career in Hindi films with the 2007 film 'Om Shanti Om'. During her 17-year long career in Bollywood, she has done many great films as an actress. Apart from acting, the actress has also established her own production company. The name of this production company is 'Ka Productions', under which she has produced films like '83' and 'Chhapaak'.